राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार,13 जुलाई2020 वर्ष-3, अंक -167 पृष्ठ-04 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डीजी बोले: देश पूरी भूमि हमारे बलों के नियंत्रण में

नेशनल डेस्क।

पूर्वी लद्दाख में जारी गतिरोध को खत्म करने के लिए चीन और भारत के सैनिकों के पीछे हटने के बीच आईटीबीपी और बीएसएफ के प्रमुख ने रविवार को कहा कि देश की सारी जमीन हमारे सुरक्षा और रक्षा बलों के ''पूर्ण नियंत्रण में है। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक एस.एस. देसवाल ने भोंडसी में बीएसएफ के पौधारोपण अभियान से इतर संवाददाताओं के साथ बातचीत में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ''देश की सारी जमीन हमारे अधिकार में है। हमारी भूमि हमारे सुरक्षा बलों के पूर्ण नियंत्रण में है। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर बने सैन्य गतिरोध के हालात को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने यह बात कही। देसवाल 1984 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी हैं। उन्होंने कहा, ''पूर्व, पश्चिम से लेकर उत्तर तक हमारी सभी सीमाएं सुरक्षित हैं। देश के सुरक्षा बल बहुत सक्रिय, सक्षम और समर्पित हैं। देसवाल ने कहा, ''किसी भी शत्रु से अपने पराक्रम और सामर्थ्य के बल पर वे सीमाओं की सुरक्षा करने में सक्षम हैं। सीमा से सेनाओं के पीछे हटने के बारे में जानकारी रखने वाले कुछ सूत्रों ने बताया कि चीन की सेना ने फिंगर-4 की रिज-लाइन में अपनी मौजूदगी और कम की है तथा पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग सो झील से कुछ नौकाओं को हटा लिया है। भारत और चीन के बीच लेफ्टिनेंट जनरल स्तर की एक और दौर की बातचीत से पहले ऐसा किया जा रहा है। इस बैठक में एलएसी से सैनिकों के पूरी तरह पीछे हटने के तौर-तरीकों को अंतिम रूप दिया जाना है। जब देसवाल से पूछा गया कि क्या आईटीबीपी ने एलएसी पर अपनी चौकियों पर और जवानों को भेजा है तो उन्होंने कहा कि देशभर में जरूरत के आधार पर जवानों को भेजा जाता है। उन्होंने कहा, ''सेना और सीमा की सुरक्षा करने वाले बलों के जवानों का मनोबल बहुत ऊंचा है। आजादी के बाद से सुरक्षाबलों ने देश की सीमाओं की रक्षा करने तथा देश की सुरक्षा के लिए अनेक बलिदान दिए हैं फिर चाहे बाहरी खतरा हो या भीतरी सुरक्षा की बात हो। देसवाल ने कहा, ''आप देख सकते हैं कि हमारे जवान अपनी जान की कीमत पर भी सुरक्षा के लिए फुर्तीले और चौकन्ने हैं। उन्होंने कहा कि सीमाओं पर सुरक्षा के सारे इंतजाम हैं और हम कह सकते हैं कि देश की सुरक्षा सुनिश्चित है। देसवाल आईटीबीपी के महानिदेशक हैं और चार महीने से बीएसएफ प्रमुख का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे हैं। आईटीबीपी में करीब 90 हजार जवान हैं। यह बल चीन से लगती 3,488 किलोमीटर लंबी एलएसी पर सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालता है। आईटीबीपी की एक कंपनी में करीब 100 जवान होते हैं। बीएसएफ में करीब ढाई लाख जवान हैं और उनका प्रमुख काम पाकिस्तान तथा बांग्लादेश से लगती सीमाओं की सुरक्षा करना है।

नेशनल डेस्क।

दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के मद्देनजर लागू लॉकडाउन हटने के बाद भले ही रेस्तरां फिर से खोले जा चुके हैं, लेकिन वे कम बिक्री, कम कर्मचारी और ग्राहकों की कम आमद से अब भी जूझ रहे हैं। कोविड-19 पाबंदियों के चलते कई रेस्तरां ने बैठकर खाने की सुविधा शुरू नहीं की है और उनका काम 'टेक अवे (पैक करा कर घर ले जाने) वाले ग्राहकों पर ही चल रहा है। लाइट बाइट फूड्स के निदेशक रोहित अग्रवाल के अनुसार अनलॉक के बाद हालात बहुत ठीक नहीं हैं। ग्राहकों की आमद बहुत कम है और संचालन लागत अधिक है। अग्रवाल ने कहा कि कोविड-19 लॉकडाउन के बाद एक दिन में सबसे अधिक 15 मेहमान पंजाब ग्रिल्स के साकेत वाले रेस्तरां में आए थे। हम उतनी ही संख्या में ग्राहकों के आने की उम्मीद कर रहे हैं, जितने पहले आया करते थे। उन्होंने कहा कि पहले जितनी बिक्री हुआ करती थी अब उसकी केवल 20 प्रतिशत ही रह गई है। इस 20 प्रतिशत कमाई में से भी 25 प्रतिशत कमाई ग्राहकों के यहीं खाने से होती है और बाकी कमाई टेक-अवे यानि खरीदकर ले जाने से हो रही है। उन्होंने कहा कि लाइट बाइट फूड्स के दो रेस्तरां

यूमी (जीके-2 दिल्ली और बेंगलोर) और पंजाब ग्रिल (दिल्ली-एनसीआर के चार रेस्तरां) ग्राहकों के बैठकर खाने के लिये खोल दिये गए हैं। दोनों रेस्तरां में मेहमानों की आमद बेहद कम है। रास्ता और येती रेस्तरां के सह मालिक जॉय सिंह कहते हैं कि अधिक राज्यों की सीमाएं बंद हैं, लिहाजा हम कोई जोखिम नहीं लेना चाहते। एक परेशानी यह है कि हम शराब नहीं परोस पा रहे हैं।

साथ ही सामाजिक दूरी का पालन करते हुए हम 60 प्रतिशत ग्राहकों को ही बिठा पा रहे हैं।

सचिन पायलट के संपर्क में कांग्रेस के 30 विधायक, कुछ निर्दलीय भी हैं साथ

जयपुर। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच की कलह खुलकर सामने आ गई है। सचिन पायलट पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में हैं और उनके साथ कांग्रेस के कुछ विधायक भी दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। इस बीच खबर आ रही है कि कांग्रेस के 30 विधायक और अन्य निर्दलीय विधायक सचिन पायलट के संपर्क में हैं और उन्होंने किसी भी फैसले में साथ देने को कहा है। राजस्थान में सियासी संकट को देखते हुए कांग्रेस आलाकमान भी हरकत में आ गया है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने दोनों नेताओं के बीच सुलह कराने के लिए तीन पर्यवेक्षक नियुक्त किए हैं। सोनिया गांधी ने अजय माकन रणदीप सुरजेवाला और अविनाश पांडे को जयपुर जाने के लिए कहा है। ये तीनों नेता रविवार रात को जयपुर के लिए रवाना होंगे। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई है। सूत्रों ने बताया कि बैठक सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर सुबह 10-30 बजे बुलाई गई है। मुख्यमंत्री रविवार रात को पार्टी के विधायकों और पार्टी को समर्थन दे रही अन्य पार्टियों के विधायकों के साथ राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करेंगे। सूत्रों ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव अविनाश पांडे के बैठक में मौजूद रहने की संभावना है। बता दें कि उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट और उनके समर्थक विधायकों के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से रिश्ते अच्छे नहीं हैं। पायलट और कांग्रेस के कुछ विधायक फिलहाल दिल्ली में हैं और पार्टी आलाकमान से मुलाकात की मांग कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

देश में कोरोना से स्वस्थ होने की दर 62.93 प्रतिशत: स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को कहा कि कोरोना वायरस से निपटने के लिए लिए केन्द्र, राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों द्वारा की गई समन्वित कार्रवाई, इसका प्रभावी ढंग से प्रबंधन और समय पर इलाज से देश में स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। मंत्रालय ने कहा कि आज की तारीख में स्वस्थ हुए लोगों की संख्या कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या से 2,42,362 अधिक हैं। मंत्रालय ने बताया, ''स्वस्थ होने की दर सुधर कर 62.93 प्रतिशत हो गई है। उसने बताया, ''चौतरफा प्रयासों के कारण अधिक से अधिक लोग स्वस्थ हो रहे है। देश में इस समय कोरोना वायरस से संक्रमित 2,92,258 मरीजों का इलाज चल रहा है। पिछले 24 घंटे में कुल 19,235 लोग कोरोना वायरस संक्रमण से ठीक हुए है। रविवार को कोविड-19 से ठीक हुए लोगों की संख्या बढ़कर 5,34,620 हो गई। इस बीच देश में रविवार को कोरोना वायरस के 28,637 और मामले सामने आए है जिससे देश में मामलों की कुल संख्या 8,49,553 पहुंच गई है। मंत्रालय के सुबह आठ बजे तक आंकड़ों के अनुसार देश में इस बीमारी से 551 और लोगों की मौत होने से मृतक संख्या 22,674 हो गई है।

कानपुर शूटआउट-पुलिस ने बताई गैंगस्टर विकास दुबे की ट्रेवल हिस्ट्री, ट्रेन नहीं बस से पहुंचा था उज्जैन

नेशनल डेस्क। उत्तर प्रदेश की कानपुर पुलिस के साथ हुए कथित मुठभेड़ में मारा गया कुख्यात अपराधी विकास दुबे इस मुठभेड़ से एक दिन पहले ही मध्य प्रदेश स्थित उज्जैन बस से आया था और अब तक ऐसे कोई साक्ष्य नहीं मिले हैं कि उसे उज्जैन में किसी ने संरक्षण दिया था। उसे उसी दिन 9 जुलाई को गिरफ्तार कर लिया गया था, जिस दिन वह उज्जैन पहुंचा था। उज्जैन के पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने शनिवार रात को यहां संवाददाताओं को बताया कि हमारी जांच में यह बात स्पष्ट रूप से सामने आई है कि वह राजस्थान के अलवर से राजस्थान परिवहन निगम की बस से झालावाड़ आया। झालावाड़ से बाबुल ट्रैवल्स कि बस से आठ जुलाई की रात में 9 बजे चला है और सीट नंबर छह पर बैठकर नौ जुलाई के तड़के तीन बजकर 58 मिनट पर उज्जैन के देवास गेट बस स्टैंड पर बैग के साथ उतरा। उन्होंने कहा कि वहां से दुबे एक ऑटोरिक्शा करके उज्जैन के महाकाल मंदिर गया और मंदिर के पास उसने होटल खोजने का असफल प्रयास किया। उसके बाद वह सीधे पास में स्थित रामघाट गया और रामघाट में स्नान करके लोगों से महाकाल मंदिर खुलने और दर्शन करने का समय पूछा। सिंह ने बताया कि जब दुबे को मालूम हुआ कि मंदिर दर्शन सुबह साढ़े 7 बजे के आसपास हो पाएगा तो वहां से आकर वह महाकाल मंदिर परिसर के बाहर फूल बेचने वाले सुरेश माली ऊर्फ सुरेश कहार की दुकान पर पहुंचा और उससे प्रसाद एवं फूल खरीदा। सुरेश ने उसे सबसे पहले पहचाना और उसकी दी गई सूचना के आधार पर ही दुबे को 9 जुलाई को बाद में गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा कि इस बात को लेकर हमने बहुत गंभीरता से जांच की कि विकास दुबे उज्जैन कैसे और की और उज्जैन में जितने भी सीसीटीवी कैमरे, लॉज, होटल एवं धर्मशालाओं सभी में सघन जांच कराई, जिसके माध्यम से पता चला कि उज्जैन कैसे पहुंचा।

पूर्व मंत्री उमंग सिंघार उपचुनाव में किस विकास दुबे का करेंगे एनकाउंटर! उठे सवाल

भोपाल। मध्य प्रदेश में 24 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई है। लेकिन इन उपचुनावों में यूपी के कुख्यात गैंगस्टर विकास दुबे की एंट्री हो गई है। विकास दुबे के एनकाउंर से जोड़कर पूर्व मंत्री उमंग सिंघार ने एक ट्वीट किया है। इसमें उन्होंने विकास दुबे और उपचुनाव का जिक्र किया है। खास बात ये रही कि इस ट्वीट के कई माइने निकाले जा रहे हैं। भले ही उमंग सिंघार ने ट्वीट कर भाजपा नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया पर निशाना साधा है। लेकिन कई राजनेता इसे सिंघार और दिग्विजय सिंह के आपसी द्वेष से जोड़कर देख रहे हैं। उमंग सिंघार ने ट्वीट करते हुए कहा- मध्यप्रदेश में कांग्रेस सरकार का एनकाउंटर करने वाला विकास दुबे कौन है। उसका उपचुनाव में हम सबको मिलकर एनकाउंटर करना जरूरी है। इस बात ये तो सभी भली भांति परिचित हैं कि मध्य प्रदेश की कमलनाल सरकार को गिराने में ज्योतिरादित्य सिंधिया का अहम रोल रहा है। लेकिन इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि बहुत से जानकार कमलनाथ सरकार गिरने के पीछे मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह की राजनीतिक महत्वकांक्षा को भी कारण मानते हैं। इसके लिए उमंग सिंघार ने मध्यप्रदेश के सियासी ड्रामे के बीच एक ट्वीट किया था। सिंघार ने ट्वीट में लिखा था कि - माननीय कमलनाथ जी की सरकार पूर्ण रूप से सुरक्षित है। यह राज्यसभा में जाने की लड़ाई है, बाकी आप सब समझदार हैं। बता दें कि इस ट्वीट के बाद कहा गया था कि दिग्विजय सिंह पर निशाना है। तब भी इस ट्वीट पर तत्कालिन प्रदेश भाजपा प्रवक्ता लोकेंद्र पाराशर ने रिट्वीट करते हुए लिखा था कि ÷तमाचा है उन लोगों पर जो आरोप हमारे ऊपर लगा रहे थे...अब कांग्रेसी बताएं कि कमलनाथजी की सरकार को राजा गिराना चाहता है या महाराजा । उनका सीधा इशारा दिग्विजय सिंह और ज्योतिरादित्य सिंधिया पर ही था।

राजस्थान पर सिब्बल की चिंता- क्या हम तब जागेंगे, जब घोड़े अस्तबल से निकल जाएंगे!

नई दिल्ली ।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा भाजपा पर अपनी सरकार गिराने की कोशिश करने का आरोप लगाने के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने रविवार को कहा कि वह पार्टी को लेकर चिंतित हैं। सिब्बल ने इस संकट से तुरंत निपटने की अपील करते हुए कहा कि पार्टी नेतृत्व कब जागेगा । उन्होंने ट्वीट किया, पार्टी को लेकर चिंतित हूं। क्या हम तब जागेंगे जब हमारे सारे घोड़े अस्तबल से निकल जाएंगे। सूत्रों ने कहा कि राजस्थान कांग्रेस संकट में घिरी है। उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट और उनके समर्थक विधायकों के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से रिश्ते अच्छे नहीं हैं। दोनों शीर्ष नेताओं के बीच तकरार की वजह राज्य की पुलिस द्वारा विधायकों की खरीद-फरोख्त मामले की जांच का आदेश देना और पायलट को नोटिस भेजना है।

जिसे लेकर पायलट नाराज हैं। सूत्रों ने शनिवार को कहा था कि राजस्थान पुलिस ने गहलोत और पायलट को भी नोटिस जारी कर कांग्रेस सरकार गिराने की कथित कोशिशों के संबंध में बयान दर्ज कराने के लिये कहा है। पुलिस के विशेष कार्यबल (एसओजी) ने सरकार के मुख्य सचेतक महेश जोशी को भी बयान देने के लिए बुलाया है। एसओजी ने शुक्रवार को हिरासत में लिये गए दो लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी,जो गहलोत सरकार गिराने के लिये कांग्रेस विधायकों की खरीद-फरोख्त में कथित रूप से शामिल थे। गहलोत ने शनिवार को विपक्षी भाजपा पर आरोप लगाया था कि वह उनके विधायकों को बड़ी रकम देकर सरकार गिराने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा था कि उनकी सरकार न केवल स्थिर है बल्कि वह अपना पांच साल का कार्यकाल भी पूरा करेगी। वहीं भाजपा ने गहलोत से इन आरोपों को साबित करने के लिए कहा है। जो गहलोत सरकार गिराने के लिये कांग्रेस विधायकों की खरीद-फरोख्त में कथित रूप से शामिल थे।

गहलोत ने शनिवार को विपक्षी भाजपा पर आरोप लगाया था कि वह उनके विधायकों को बड़ी रकम देकर सरकार गिराने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा था कि उनकी सरकार न केवल स्थिर है बल्कि वह अपना पांच साल का कार्यकाल भी पूरा करेगी। वहीं भाजपा ने गहलोत से इन आरोपों को साबित करने के लिए कहा है।

सोनिया गांधी का कांग्रेस के तीन नेताओं को जयपुर भेजने का फैसला, विधायकों से करेंगे बात

नई दिल्ली।

राजस्थान में सरकार संकट के बीच कांग्रेस आलाकमान हरकत में आ गया है। उन्होंने तीन कांग्रेसी नेताओं को जयपुर भेजने का फैसला किया है। राजस्थान में गहलोत सरकार संकट में घिरी है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अजय माकन, रणदीप सुरजेवाला और राजस्थान प्रभारी अविनाश पांडे को जयपुर जाने को कहा है। तीनों नेता कांग्रेस विधायकों से बात करेंगे। अजय माकन, रणदीप सुरजेवाला और अविनाश पांडे को रविवार रात जयपुर के लिए लवाना होंगे। वहीं, कांग्रेसकी तरफ से सचिन पायलट को भी निर्देश दिए गए हैं। सचिन पायलट आज राज जयपुर पहुंच सकते हैं। पायलट कांग्रेस के भेजे जा रहे पर्यवेक्षकों के साथ मीटिंग करेंगे और कल विधायक दल की बैठक में हिस्सा ले सकते हैं। बता दें कि

राजस्थान की गहलोत सरकार संकट में है। अशोक गहलोत और उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। सचिन पायलट पार्टी आलाकमान से मिलने के लिए दिल्ली में हैं। पायलट खेमे के 12 विधायक भी दिल्ली में हैं। उधर, अशोक गहलोत ने पार्टी आलाकमान से कहा है कि सचिन पायलट बीजेपी के नेताओं के संपर्क में हैं। दरअसल ये पूरी जंग शुरू होती है स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप के नोटिस के बाद। विधायकों की खरीद-फरोख्त मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने सचिन पायलट को भी नोटिस भेजा था और बयान दर्ज कराने को कहा। कहा जा रहा है कि नोटिस मिलने के बाद पायलट, सीएम अशोक गहलोत से नाराज हैं। सचिन पायलट खेमे को उपमुख्यमंत्री से पूछताछ के लिए एसओजी का नोटिस स्वीकार्य नहीं है। वहीं, कांग्रेस की इस लड़ाई में बीजेपी अपना लाभ देख रही है।

बीजेपी सचिन पायलट को रिझाने में लगी है। इसके लिए बीजेपी नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया मैदान में उतरे हैं। उन्होंने ट्वीट किया कि सचिन पायलट को दरकिनार किए जाने से मैं दुखी हूं। ये दिखाता है कि कांग्रेस में काबिलियत और क्षमता की अहमियत नहीं है।

गुजरात: एक तिहाई बहुमत से सरकार बना रहे थे हार्दिक पटेल, ट्रोल हुए तो डिलीट किया ट्वीट

नेशनल डेस्क।

गुजरात कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष बनते ही युवा नेता हार्दिक पटेल सोशल मीडिया पर ट्रोल हो गए। दरअसल, कार्यकारी अध्यक्ष बनने का बाद हार्दिक ने एक ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने कुछ ऐसा लिख दिया कि लोग चुटकी लेने लगे। इसके बाद हार्दिक पटेल को अपना ये ट्वीट डिलीट करना पड़ा। इस ट्वीट में उन्होंने 2022 में कांग्रेस की सरकार बनाने की बात कही थी। हार्दिक पटेल ने गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष पद पर नियुक्ति के लिए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी का आभार व्यक्त किया। इसी के साथ हार्दिक पटेल ने लिखा कि 2022 के विधानसभा चुनाव में गुजरात में कांग्रेस एक तिहाई बहुमत के साथ सरकार बनाएगी।

हार्दिक पटेल ने ट्वीट किया, आदरणीय अध्यक्षा सोनिया गांधी जी एवं राहुल गांधी जी का आभार व्यक्त करता हूं, लोकतंत्र एवं संविधान के बचाव के लिए कांग्रेस पार्टी लड़ती रहेगी। गुजरात के विभिन्न मुद्दों को महत्व दिया जाएगा और 2022 के गुजरात विधानसभा चुनाव में 1/3 बहुमत के साथ कांग्रेस सरकार बनाएगी। बता दें कि किसी भी राज्य में सरकार बनाने के लिए एक पार्टी को संवैधानिक प्रावधानों के लिए मुताबिक विधानसभा की कुल क्षमता के आधे से एक सीट ज्यादा लाना जरूरी होता है। थोड़ी ही देर में हार्दिक पटेल को अपनी गलती का एहसास हुआ और उन्होंने अपना ट्वीट डिलीट कर नया ट्वीट किया।

यौन शोषण के धंधे का पर्दाफाश, नाबालिग बच्चियों को शराब पिलाकर कराया जाता था डांस

भोपाल। राजधानी भोपाल में रातीबड़ पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए नाबालिग लड़कियों से यौनशोषण के धंधे का पर्दाफाश किया है। बताया जा रहा है कि नाबालिग लड़कियों को रसूखदारों की पर्टियों में सप्लाई किया जाता। जहां उन्हें शराब पिलाकर डांस कराया जाता था। रातीबड़ पुलिस ने रात को नशे में मिलने के बाद पांचों नाबालिग को चाइल्ड लाइन को सौंप दिया। काउंसलिंग के बाद पूछताछ में उन्होंने यौनशोषण किए जाने का खुलासा किया है। डीआईजी इरशाद वली ने बताया कि इस मामले में 21 साल की एक युवती स्वीटी और कारोबारी और अखबार के मालिक 68 वर्षीय प्यारे मिया पर भी मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, भोपाल के रातीबड़ थाना क्षेत्र में गश्त के दौरान कुछ नाबालिग लड़कियां नशे की हालत में मिली।

संपादकीय

रोकने के लिए सक्रियता

कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है कि संक्रमण फैलने के कारणों का पता लगाकर उनका निवारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उम्मीद की जाती है कि प्रधानमंत्री की ओर से कोरोना वायरस से उपजी कोविड-19 महामारी की स्थिति की जो समीक्षा की गई उसके बाद राज्य सरकारें, उनकी विभिन्न एजेंसियां और जिला प्रशासन नए सिरे से चेतेंगे। यदि कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए सक्रियता का परिचय नहीं दिया गया तो स्थिति हाथ से फिसल भी सकती है। यह सामान्य बात नहीं कि बीते कुछ समय से हर चार-पांच दिन में एक लाख कोरोना मरीज बढ़ जा रहे हैं। यह ठीक है कि भारत में कोरोना वायरस की चपेट में आए लोगों की मृत्यु दर कम है, लेकिन मौत का शिकार बने लोगों की संख्या इतनी भी कम नहीं कि लोग अपेक्षित सावधानी का परिचय देने से इन्कार करें। चिंता की बात यह है कि कोरोना वायरस के संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए आम लोगों को जैसी सावधानी का परिचय देना चाहिए वह नहीं दिया जा रहा है। मास्क का नियमित इस्तेमाल, साफ-सफाई और सेहत के प्रति सतर्कता ही कोरोना संक्रमण से बचे रहने का एक मात्र उपाय है, लेकिन इसके बावजूद यही देखने को मिल रहा है कि लोग लापरवाही बरत रहे हैं। हद तो यह है कि जिन शहरों और इलाकों में कोरोना मरीजों की अच्छी-खासी संख्या है वहां भी तमाम ऐसे लोग दिख जा रहे हैं जो ढंग से मास्क नहीं लगाते। यह खुद के साथ औरों को खतरे में डालने वाला काम ही है। शायद इसी स्थिति को देखकर प्रधानमंत्री को यह कहना पड़ा कि कोरोना के खिलाफ जागरूकता बढ़ाए जाने की जरूरत है। निःसंदेह यह जागरूकता तभी बढ़ेगी जब जिला प्रशासन लापरवाह लोगों के खिलाफ सख्ती बरतेंगे। ऐसा लगता है कि तमाम लोगों ने यह मान लिया है कि लॉकडाउन से बाहर निकलने के कदम उठाने का यह मतलब है कि सब कुछ पहले जैसे हो गया है। ऐसा बिल्कुल भी नहीं है और इसका प्रमाण कोरोना मरीजों की तेजी से बढ़ती संख्या के साथ इससे भी मिल रहा है कि कई राज्य सरकारों को लॉकडाउन नए सिरे से लागू करना पड़ रहा है। लॉकडाउन की यह वापसी गंभीर स्थिति की सूचक है। देश के विभिन्न हिस्सों में लॉकडाउन की वापसी कारोबारी गतिविधियों को गति देने की कोशिशों पर पानी फेरने वाली ही है। बेहतर हो कि राज्य सरकारें और विशेषकर उनके जिला प्रशासन यह समझें कि कारोबारी गतिविधियों को बल देने का यह मतलब नहीं कि सार्वजनिक स्थलों में फिजिकल डिस्टेंसिंग की जरूरत नहीं रह गई है।

आज के ट्वीट

सबक

दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन ने स्वीकार किया कि मैं हिंदुओं को सबक सिखाना चाहता था इसलिए दंगों से पहले सारे कैमरे तुड़वा दिए थे।

-- अर्णव गोस्वामी

कानून के साथ चलने की चुनौती

जस्टिस आर एस सोढ़ी, पूर्व न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायालय

उज्जैन से कानपुर लाते समय विकास दुबे के एनकाउंटर से सवाल जरूर उठे हैं, लेकिन इसने एक ऐसे मुकदमे का पटाक्षेप भी कर दिया, जो कम से कम पांच-छह साल चलता और उसका क्या हश्र होता, कुछ कहा नहीं जा सकता। देश की पुलिस एक कानून के दायरे में रहकर काम करती है। कानून के तहत काम करने का एक ढांचा या फ्रेमवर्क तय किया गया है, जिसमें रहते हुए पुलिस को अपना काम करना होता है। यदि पुलिस अपराधियों को पकड़कर मारने लग जाएगी, तो यह पुलिस को देखना होगा कि वह पुलिसमैन कहलाना पसंद करेगी या कुछ और। यह बिल्कुल सही है कि विकास दुबे एक दुर्दांत अपराधी था, हर तरह से भ्रष्ट था, और डकैत था। उसका दुस्साहस इतना बढ़ गया था कि उसने पुलिस को भी घात लगाकर मारना शुरू कर दिया था। पुलिस पर घात लगाकर किया गया हमला निस्संदेह देश की सार्वभौमिकता पर हमला था, लेकिन ऐसा था, तो फिर हमने मुंबई पर 26 नवंबर, 2012 को भीषण हमला करने वाले पाकिस्तानी आतंकी अजमल कसाब को क्यों जिंदा पकड़ा था? प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के हत्यारे सतवंत सिंह को जिंदा क्यों पकड़ा गया था? मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के हत्यारे को जिंदा क्यों पकड़ा गया था? उन्हें वहीं पकड़कर गोली क्यों नहीं मार दी गई थी? क्या उन पर मुकदमा नहीं चला, क्या उन्हें फांसी की सजा नहीं मिली? हां, यह जरूर है कि उनकी सुनवाई लंबी चली। जो कानूनी प्रक्रिया है और कानून के तहत जो अधिकार अभियुक्तों को मिले हुए हैं, उनके अनुसार, उन्हें कुछ कानूनी संरक्षण हासिल है, इनका जब पुलिस सही-सही इस्तेमाल करती है, तो किसी अपराधी को सजा दिलाने में थोड़ा वक्त लगता है। दरअसल, समस्या कानून के शासन यानी 'रूल ऑफ लॉ' की है। ऐसा देखा गया है कि कई बार रूल ऑफ लॉ के तहत कोर्ट चलते ही नहीं हैं। मान लीजिए, अगर विकास दुबे को अदालत में पेश किया जाता, तो उसका केस चलता। संभव है, उसका केस पांच साल तक खत्म ही नहीं होता। यह भी संभव है कि कोई गवाह नहीं मिलता। बचने के लिए वह कभी रिट कोर्ट में जाता, तो कभी कहीं और प्रयास करता। कभी उत्तर प्रदेश में राज्यमंत्री का दर्जा प्राप्त नेता की हत्या में यह बात साबित हुई थी कि विकास दुबे के खिलाफ कोई जुबान खोलने वाला नहीं है। यहां तक कि उस मामले में पुलिस भी चुप्पी साध गई थी। जब कभी-कभी कोर्ट में रूल ऑफ लॉ नहीं चलता, तो पुलिस क्या करे, पुलिस भी कानून के दायरे में है। मैंने देखा है कि जब भी कोई गवाह मुकरता है, तो निचली कोर्ट में न्यायिक अधिकारी सिर हिलाता रहता है और दूसरे गवाह को बुला लिया जाता है। वह यह नहीं देखता कि गवाह क्यों मुकर गया? क्या हालात थे, जिन्होंने उसे बयान बदलने पर मजबूर कर दिया? सवाल है कि कई बार ट्रायल जज के पोस्ट ऑफिस की तरह से काम करने से कानून का राज कैसे चलेगा? उसे सक्रिय होना पड़ेगा, लेकिन उसकी भी समस्याएं हैं। उसके पास असीमित केस हैं, जिनके बोझ से वह या कोई न्यायिक अधिकारी दबा हुआ है। वह गवाहों पर सवाल उठाएगा, तो केस आगे नहीं बढ़ पाएंगे। ऐसे में, पुलिस का भी क्या दोष है, उसे पता है कि गवाह सामने नहीं आएंगे। 'विटनेस प्रोटेक्शन सिस्टम' पूरी तरह से काम नहीं कर रहा है। यह इतना जटिल है कि सुरक्षा मांगते-मांगते गवाह पूरी तरह से 'एक्सपोज' हो जाता है। फिर अपराधी यदि ताकतवर हो, रसूख वाला हो, तो पुलिस के सामने कोई चारा नहीं रहता। विकास दुबे का मामला ऐसा ही था। साल 1999 में दिल्ली की चर्चित मॉडल जेसिका लाल की हत्या के मामले में क्या हुआ था, सबको पता है। ट्रायल कोर्ट ने मुख्य अभियुक्त को, जो एक शक्तिशाली नेता का बेटा था, सुबूतों और गवाहों के अभाव में हत्या के आरोप से बरी कर दिया था। केस मेरे सामने अपील में दिल्ली हाईकोर्ट आया। मैंने फैसला पलटा, उसे सजा दी और जेल भेजा। इस मामले में मैंने 30 लोगों को झूठी गवाही देने के आरोप में नोटिस भेजा और उन्हें तलब किया। यह अलग बात है कि वे ऊपरी अदालत से छूट गए, लेकिन उससे समाज में एक संदेश तो चला गया। यदि इस मामले के दोषी को सजा नहीं दी जाती, तो वह आज कहीं नेता बनकर घूम रहा होता। इसी प्रकार, दिल्ली विश्वविद्यालय में कानून की छात्रा प्रियदर्शिनी मट्टू बलात्कार और हत्या के मामले में किया गया था। अभियुक्त पुलिस विभाग के आईजी का बेटा था। दिल्ली के ट्रायल कोर्ट ने उसे बरी कर दिया था, क्योंकि उसके खिलाफ कोई सुबूत नहीं मिला था, लेकिन सुनवाई चली और हाईकोर्ट से उसे जेल भेजा गया। यदि न्यायपालिका उचित प्रकार से चले, तो कानून के राज का पालन हो सकता है, लेकिन यह काम इतना आसान नहीं है। सबको अपनी सुरक्षा की चिंता रहती है। पुलिस को भी यह देखना होगा कि वह अपनी प्रणाली को दुरुस्त रखे। अपराधियों पर नकेल कसने में कानून की प्रक्रिया का पालन करे, अपनी निष्ठाओं को मजबूत रखे और सही व बेखौफ रिपोर्ट करे। गवाहों को सुरक्षा दे और उनकी गोपनीयता बनाए रखे, लेकिन यह बात कहना जितना आसान है, पालन करना उतना ही कठिन है। इस रास्ते में अड़ंगा लगाने वाले तमाम कारक हैं, उनका नाम लेने की जरूरत नहीं है, यह सर्वविदित है। अदालतों के लिए भी जरूरी है कि जब किसी केस में गवाह न मिले या वह मुकर जाए, तो उन पर सवाल जरूर किए जाएं। यह जज को ही देखना होगा, क्योंकि आखिरकार कानून का राज अदालत में आकर ही ठहरता है। खतरनाक अपराधी और आठ पुलिसकर्मियों के हत्यारे विकास दुबे के एनकाउंटर ने कोर्ट और पुलिस व्यवस्था पर जितने सवाल खड़े किए हैं, उनके उतने ही जवाब भी सामने लाकर रख दिए हैं। सिर्फ हमें उन्हें देखना है और समझना है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

ज्ञान गंगा

ईश्वर विश्वास

श्रीराम शर्मा आचार्य

ईश्वर विश्वास एक ऐसी चीज है कि इससे जीवन दर्शन को उच्चस्तरीय प्रेरणा मिलती है। संसार के सभी प्राणी ईश्वर के पुत्र हैं। अन्य प्राणियों की और मनुष्यों की स्थिति की तुलना करने पर जमीन-आसमान जैसा अंतर दिखाई पड़ता है। इसमें पक्षपात और अनीति का आक्षेप ईश्वर पर लगता है। जब सामान्य प्राणी अपनी संतान को समान स्नेह सहयोग देते हैं तो ईश्वर ने इतना अंतर किसलिए रखा? इस विभेद को समझने में प्रत्येक विवेक संपन्न व्यक्ति को भारी उलझन का सामना करना पड़ता है। तत्वदर्शी विवेक बुद्धि इस विभेद के अंतर का कारण भली प्रकार स्पष्ट कर देती है। मनुष्य को अपने वरिष्ठ सहकारी जेष्ठ पुत्र के रूप में सृजा गया है। उसके कंधों पर सृष्टि को अधिक सुंदर, समुन्नत और सुसंस्कृत बनाने का उत्तरदायित्व सौंपा गया है। इसके लिए उसे विशिष्ट साधन उसी प्रयोजन के लिए अमानत के रूप में दिए गए हैं। मिनिस्टरों को सामान्य कर्मचारियों की तुलना में सरकार अधिक सुविधा साधन इसलिए देती है कि उनकी सहायता से वे अपने विशिष्ट उत्तरदायित्वों का निर्वाह सुविधापूर्वक कर सकें। ये सुविधाएं उनके व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं वरन जनसेवा के लिए दी जाती हैं। बैंक के खजांची के हाथ में बहुत-सा पैसा रहता है। यह उनके निजी उपभोग के लिए नहीं, बल्कि बैंक प्रयोजन के लिए अमानत रूप में रहता है। निजी प्रयोजन के लिए तो क्या मिनिस्टर, क्या खजांची, सभी को सीमित सुविधा मिलती है। अत्यधिक साधन जो उनके हाथ में रहते हैं, उन्हें वे निर्दिष्ट कार्यों में ही खर्च कर सकते हैं। मानवी कार्यों में उपभोग करने लगें तो यह दंडनीय अपराध होगा। ठीक इसी प्रकार मनुष्य के पास सामान्य प्राणियों को उपलब्ध शरीर निर्वाह भर के साधनों से अतिरिक्त जो कुछ भी श्रम, समय, बुद्धि, वैभव, धन, प्रभाव, प्रतिभा आदि की विभूतियां मिली हैं, वह सभी लोकोपयोगी प्रयोजनों के लिए मिली हुई सार्वजनिक संपत्ति हैं। शरीर रक्षा एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों के लिए औसत नागरिक स्तर का निर्वाह कर लेने के अतिरिक्त मनुष्य के पास जो कुछ बचता है, उसकी एक-एक बूंद उसे लोक कल्याण के लिए नियोजित करनी चाहिए। इसी में ईश्वरीय अनुदान और मानवी गरिमा की सार्थकता है।

हीरो मत कहिए, मैं बस जीना चाहता था

जेम्स शॉ जूनियर अमेरिकी सामाजिक कार्यकर्ता

हादसे सिर्फ सबक नहीं देते, बल्कि अक्सर वे हमें असली नायकों से भी मिलाते हैं। एक ऐसे ही हीरो से अमेरिकी समाज दो साल पहले मिला। उस वक्त यह नौजवान 29 साल का था। प्रेम, जिंदादिली और दिलेरी से भरपूर। अपने शहर नैशविल को टूटकर चाहने वाला। बचपन से उसकी यही आदत रही कि बिखरी हुई चीजों को करीने से सजाया जाए। मगर जिंदगी इस आदत का ऐसा भयानक इम्तिहान लेगी, यह तो उसने सोचा भी नहीं होगा। यह 22 अप्रैल, 2018 की भोर की बात है। पेशे से इलेक्ट्रिक इंजीनियर जेम्स जूनियर शॉ अपने करीबी दोस्त के साथ वैफ हाउस (रेस्तरां) में पहुंचे थे। बहुत ज्यादा भीड़ नहीं थी। यह देख दोनों ने कुछ राहत की सांस ली, क्योंकि इसके पहले वाला रेस्तरां खचाखच भरा मिला था। जेम्स और उनके दोस्त अभी अपनी सीट पर बैठे ही थे कि एक जोरदार आवाज आई। उन्हें लगा कि शायद रसोइए ने किसी गुस्से में बर्तन पटका है। पर अगले ही पल एक और तेज आवाज के साथ रेस्तरां के सामने का शीशा टूटकर बिखर गया। जेम्स और उनके दोस्त की निगाह रेस्तरां के मेन गेट पर पड़ी। एक नौजवान ढेर हो चुका था। वे दोनों समझ गए कि यह हमला है। हमलावर एआर-15 राइफल से चारों तरफ गोलियां बरसाने लगा था। बदहवास लोग चीखते-चिल्लाते इधर-उधर भाग रहे थे। जेम्स ने उछलकर काउंटर के पीछे छिपने की कोशिश की, मगर वहां उनका बचना नामुमकिन था। कुछ लोगों को जख्मी और ढेर करने के बाद हमलावर काउंटर की तरफ बढ़ने लगा था। जेम्स ने एक लंबी छलांग मारी और पूरी तेजी के साथ वह शौचालय की तरफ भागे। इस बीच एक गोली उनके दाहिने हाथ को जख्मी कर गई थी। जेम्स को लगा कि अब चंद लम्हे रह गए हैं। मौत जब सामने हो, तो जीने की चाहत और जोर मारती है। जेम्स ने सोचा, अब मरने ही वाला हूं, तो फिर जीने की एक आखिरी कोशिश क्यों न कर लूं! उन्होंने रेस्तरां में बच्चों को भी देखा था। उन सबका चेहरा जेम्स की आंखों के आगे घूम गया। हाथ में भारी दर्द उठ रहा था, मगर उसे बर्दाश्त करना था, ताकि हमलावर को उनकी जगह का पता न चले। जेम्स ने खुद को शांत किया और खिड़की के पीछे से हत्यारे पर अपनी नजर टिकाए रखी। जेम्स अब तक समझ चुके थे कि हत्यारा अकेला है। लेकिन उन्हें नहीं मालूम था कि उसके पास और कौन-कौन से हथियार हैं। अचानक गोलियों की आवाज आनी बंद हो गई। जेम्स ने साहस बटोरकर खिड़की से बाहर झांका। हमलावर उस वक्त राइफल नीचे रख कारतूस लोड कर रहा था। यही मौका था। फैसले के लिए जेम्स के पास मिनट नहीं, कुछ सेकंड थे। बगैर कोई वक्त गंवाए जेम्स ने राइफल पर झपट्टा मारा। इतनी सारी गोलियां उगलकर बैरेल आग हो चुकी थी। मगर जेम्स ने पूरी मजबूती से उसे पकड़ लिया था। हाथ जल रहे थे, मगर उन्होंने राइफल को हमलावर से छीनकर काउंटर की तरफ उछाला और हमलावर को पूरी ताकत के साथ बाहर की तरफ धक्का दिया। हमलावर उस वक्त वहां से भाग निकला, लेकिन चंद घंटों के भीतर पुलिस ने उसे दबोच लिया। जेम्स की सूझबूझ और साहस ने कई बेगुनाह लोगों की जान बचा दी थी। पर अपनी आंखों के सामने चार निर्दोष युवकों की मौत ने उन्हें बेहद मर्माहत किया। चारों मृतक 20 से 29 साल के थे। लोगों की निगाह में जेम्स का यह नायकत्व कितना बड़ा था, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस वारदात में मारे गए नौजवानों के परिवार की मदद के लिए उन्होंने अगले ही दिन 'गो फंड मी' अभियान की शुरुआत की

और महज एक महीने के भीतर ही इसमें लगभग दो करोड़ रुपये आ गए। इसकी ज्यादातर राशि उन्होंने चारों मृतकों के परिवारों में बांट दी। हादसे के बाद अब लगभग रोज ही जेम्स की आंखों के आगे वह पूरा मंजर जिंदा हो आता था। इससे उबरने के लिए उन्होंने मनोवैज्ञानिकों के साथ-साथ अपनी नन्ही बच्ची के करीब ज्यादा से ज्यादा वक्त बिताया। जेम्स की बहादुरी को सलाम करते हुए उनके देश के हजारों लोगों ने उनकी बेटी और उनके लिए डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा की। अगस्त 2018 से जेम्स ने अमेरिका की कुख्यात बंदूक-हिंसा के खिलाफ एक मुहिम शुरू की है। अब वह एक सेलिब्रिटी बन चुके हैं। उन्हें कई टीवी कार्यक्रमों में बुलाया जा चुका है। अनेक विश्वविद्यालयों और संस्थाओं ने उन्हें सम्मानित किया है। लगभग सात लाख आबादी वाले नैशविल शहर के मेयर ने जेम्स को सम्मानित करते हुए कहा कि 'आप सच्चे हीरो हैं, इसके जवाब में अपनी पूरी विनम्रता के साथ जेम्स शॉ जूनियर ने सिर्फ इतना कहा, 'मुझे हीरो मत कहिए, मैं तो बस जीना चाहता था। मैंने जो किया, वह हरेक आम नागरिक को करना चाहिए।' नौजवानों के एक हुजूम को संबोधित करते हुए उनके शब्द थे, 'आपकी जिंदगी में जब भी कोई ऐसा पल आए, तो सबसे पहले अपने भीतर लड़ना, आप जरूर जीतेंगे।'

प्रस्तुति : चंद्रकांत सिंह

आज का राशिफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रुपये पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से तनाव मिलेगा।

मिथुन जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

कर्क आर्थिक योजना फलीभूत होगी। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय से मन अशान्त रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। व्यवसायिक व पारिवारिक योजना सफल रहेगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

कन्या संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ भी रहेगी।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। खान-पान में संयम रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

बैंकों को 'अग्रिम आधार पर पूंजी जुटाने की जरूरतः दास

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने कहा है कि बैंकों को पूर्वानुमान के आधार पर पहले ही पूंजी जुटा कर रखने की जरूरत इससे उनके पास कोरोना वायरस जैसे संकट के समय पर्याप्त पूंजी 'बफर रहेगा। दास ने शनिवार को भारतीय स्टेट बैंक के बैंकिंग और इकनॉमिक कान्क्लेव को संबोधित करते हुए कहा कि सुरक्षित पूंजी कोष बनाना और पूंजी जुटाना सिर्फ ऋण के प्रवाह सुनिश्चित करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि इससे वित्तीय प्रणाली भी मजबूत होती है। उन्होंने कहा, ''ऐसी स्थिति में यह और महत्वपूर्ण हो जाता है कि बैंक अपने कामकाज के संचालन को सुधारे, अपनी जोखिम प्रबंधन की दक्षता को और धारदार करें। बैंकों के लिए जरूरी है कि वे स्थिति पैदा होने का इंतजार न करें और अग्रिम आधार पर पूंजी जुटाएं। दास ने कहा कि सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों के बैंकों को आगे बढ़कर पर्याप्त पूंजी बफर बनाना चाहिए। गवर्नर ने कहा कि लॉकडाउन के आर्थिक प्रभाव और लॉकडाउन के बाद वृद्धि दर में गिरावट से बैंकों की पूंजी घटेगी और उनकी गैर निष्पादित आस्तियां (एनपीए) बढ़ेंगी। ऐसे में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों का पुनर्पूंजीकरण जरूरी हो जाएगा। सरकार ने 2015-16 से 2019-20 के दौरान पांच साल में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 3.08 लाख करोड़ रुपए डाले हैं। हालांकि, वित्त वर्ष 2020-21 के बजट में सरकार ने इस तरह की कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई है। सरकार उम्मीद कर रही है कि बैंक अपनी जरूरत के हिसाब से बाजार से धन जुटाएंगे। दास ने बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को दबाव परीक्षण करने का भी सुझाव दिया जिससे वे अपने बही-खाते पर कोविड-19 के प्रभाव का आकलन कर सकेंगे और संभावित जोखिम से निपटने की योजना बना सकेंगे। दास ने कहा कि रिजर्व बैंक ने 19 जून और एक जुलाई को सभी बैंकों, जमा नहीं लेने वाली एनबीएफसी (5,000 करोड़ रुपए तक की संपत्ति वाली बड़ी) और सभी जमा लेने वाली एनबीएफसी को अपने बही-खाते, संपत्ति की गुणवत्ता, तरलता, मुनाफे और पूंजी पर्याप्तता पर कोविड-19 के प्रभाव का आकलन करने की सलाह दी है। गवर्नर ने कहा कि दबाव परीक्षण के नतीजों के बाद बैंक और एनबीएफसी को इससे बचाव के उपाय गवर्नर ने कहा कि दबाव परीक्षण के नतीजों के बाद बैंक और एनबीएफसी को इससे बचाव के उपाय मसलन पूंजी योजना, पूंजी जुटाना और आकस्मिक तरलता योजना जैसे कदम उठाने होंगे।

कोविड-19 की वजह से चालू वित्त वर्ष में कारोबारी वातावरण चुनौतीपूर्ण रहेगाः टीवीएस मोटर

नई दिल्ली। टीवीएस मोटर कंपनी का मानना है कि चालू वित्त वर्ष में कोविड-19 संकट की वजह से कारोबारी वातावरण काफी चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। कंपनी की 2019-20 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष के अंत में इसमें कुछ सुधार की संभावना है। शेयरधारकों से सूचना साझा करते हुए दोपहिया क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ने कहा कि मानसून अच्छा रहने पर कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर भी अच्छी रहेगी। इससे दोपहिया क्षेत्र को उबारने में मदद मिलेगी। टीवीएस मोटर कंपनी ने कहा, ''2020-21 में कोविड-19 महामारी की वजह से अर्थव्यवस्था को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।''रिपोर्ट में कहा गया है कि आवाजाही पर अंकुश और अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों पर महामारी के प्रभाव से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), खर्च योग्य आय, उपभोक्ता धारणा और वाहन उद्योग प्रभावित होगा। रिपोर्ट कहती है कि इस वजह से 2020-21 की पहली तिमाही में अर्थव्यवस्था में बड़ी गिरावट आएगी। आगे की तिमाही में यह गिरावट आंशिक रूप से कम होगी। अर्थव्यवस्था में कुछ सुधार वित्त वर्ष के अंत में ही नजर आएगा। अर्थव्यवस्था में सुस्ती का जिक्र करते हुए टीवीएस मोटर ने कहा कि नौकरियों पर संभावित खतरे और वेतन कटौती के मद्देनजर लोग अधिक बचत करेंगे। इससे लोग गैरजरूरी टिकाऊ सामान की खरीद में विलंब करेंगे। इस स्थिति में विनिर्माण सहित वाहन उद्योग प्रभावित होगा।

भारत के इस ऐप में मिली बड़ी खामी, 1 करोड़ से ज्यादा लोग कर चुके हैं डाउनलोड

नई दिल्ली । भारत के शॉर्ट वीडियो मेकिंग ऐप चिंगारी में सिक्योरिटी खामी पाई गई है। रिपोर्ट की मानें तो इसके अकाउंट हैक करना हैकर्स के लिए चुटकियों का खेल है। बता दें कि भारत में टिकटॉक समेत 59 चाइनीज ऐप्स को बैन किए जाने के बाद से चिंगारी ऐप को एक करोड़ से ज्यादा डाउनलोड्स मिले हैं। साइबर सिक्योरिटी फर्म में काम करने वाले गिरीश कुमार ने एक यूट्यूब वीडियो के जरिए चिंगारी ऐप की खामी को उजागर किया है। इस वीडियो में उन्होंने बताया कि हैकर्स किस तरह ऐप के यूजर अकाउंट को हैक कर सकते हैं।टिकटॉक चिंगारी कंपनी ने इस खामी को मानते हुए 24 घंटे के भीतर इसे ठीक करने का वादा किया है। कंपनी ने बताया कि इस तरह कि दिक्कत ऐप के वर्जन 2.4.0 और इससे पुराने वर्जन में आ सकती है। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि हमने प्ले स्टोर और ऐप स्टोर पर अपडेट जारी कर दिया है। अभी गूगल और ऐपल से अनुमति मिलनी बाकी है।ऐप में मौजूद खामी के कारण कोई भी यूजर अकाउंट को अपने स्मार्टफोन से हाइजैक कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, हैकर्स ना सिर्फ अकाउंट का ऐक्सेस पा सकते हैं, बल्कि वे अकाउंट सेटिंग्स बदलने के साथ ही आपके नाम पर कॉन्टेंट भी अपलोड कर सकते हैं। बंद कर सकते हैं। कंपनी ने पुराने वर्जन का ऐप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस बंद कर दिया है। ऐसे में सभी को सलाह दी जाती है कि वे अपने चिंगारी ऐप को अपडेट कर लें। बंद कर सकते हैं। कंपनी ने पुराने वर्जन का ऐप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस बंद कर दिया है। ऐसे में सभी को सलाह दी जाती है कि वे अपने चिंगारी ऐप को अपडेट कर लें।

हॉकिन्स कूकर्स के चेयरमैन ब्रह्म वासुदेव का निधन

नयी दिल्ली। वहॉकिन्स कुकर्स लिमिटेड ने शनिवार को अपने प्रवर्तक चेयरमैन ब्रह्म वासुदेव के निधन की जानकारी दी। हॉकिन्स कुकर्स ने शेयर बाजार को बताया कि वासुदेव (84) का शुक्रवार को निधन हुआ। वह पिछले 52 वर्षों से कंपनी का नेतृत्व कर रहे थे। वासुदेव 1968 में कंपनी के बोर्ड में उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त हुए थे और 1984 में पूर्णकालिक अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक बने। हॉकिन्स कुकर्स ने कहा कि कंपनी और उद्योग को 52 वर्षों के उनके कार्यकाल के दौरान काफी फायदा हुआ। वह 2006 से कंपनी के गैर-कार्यकारी अध्यक्ष और सलाहकार थे।

कोरोना के कारण बढ़ी कम्प्यूटर की मांग, यहां हुई सबसे ज्यादा बिक्री

लंदन। पिछले कुछ महीनों में पीसी की मांग में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आईडीसी की रिपोर्ट के अनुसार, 2020 की दूसरी तिमाही में वैश्विक स्तर पर पीसी शिपमेंट में 11.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। विश्लेषकों का मानना है कि महामारी के कारण लोग वर्क फ्रोम होम को प्राथमिकता दे रहे हैं, इसी ट्रेंड के कारण लैपटॉप और पीसी की मांग बढ़ोतरी देखी गई। कहना है कि इस अवधि के दौरान 72.3 मिलियन (यानी 7.23 करोड़) यूनिट्स बेचे गए थे, जिसमें लैपटॉप, वर्कस्टेशन और डेस्कटॉप शामिल थे। दिलचस्प बात यह है कि यूरोप, मिडिल-ईस्ट और अफ्रीका (ईएमईए) और संयुक्त राज्य अमेरिका में बिक्री में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह संभव है कि भारत के लिए बिक्री के आंकड़ों में इस वर्ष बाद की तीसरी तिमाही में बेहतर संख्या दिखाई दे। सेगमेंट में लीडिंग ब्रांडों कौन सा है इस बारे में आईडीसी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि एचपी 25 प्रतिशत शेयर के साथ चार्ट में टॉप पर बना हुआ है। लेनोवो 24.1 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ बहुत पीछे नहीं है। और डेल 16.1 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ टॉप 3 में आखिरी स्थान पर है। इस अवधि के दौरान एप्पल लगभग 55 लाख इकाइयों को बेचने में सफल रहा, जिससे उसे 7 प्रतिशत से अधिक की बाजार हिस्सेदारी मिली।

यूएस की ये 200 साल पुरानी कंपनी हुई दिवालिया, 40 अमेरिकी राष्ट्रपतियों को पहना चुकी है अपने कपड़े

नई दिल्ली । अमेरिका की करीब 200 साल पुरानी परिधान तैयार करने वाली कंपनी ब्रूक्स ब्रदर्स ने दिवालिया संरक्षण का आवेदन दायर किया है। कंपनी ने दिवालियापन संरक्षण के अध्याय 11 के तहत आवेदन दायर किया है। कंपनी अपने 200 स्टोर में से 25 फीसद से अधिक को हमेशा के लिये बंद करने वाली है। कंपनी की स्थापना न्यूयॉर्क में 1818 में हुई थी। अमेरिका के तकरीबन 40 राष्ट्रपतियों ने इसके कपड़े पहने हैं। यानी कंपनी का एक पुराना व समृद्ध इतिहास रहा है। अब्राहम लिंकन की 1865 में जब हत्या हुई थी, उस समय उन्होंने ब्रूक्स ब्रदर्स का ही कोट पहना हुआ था। ब्रूक्स ब्रदर्स के दो बटन वाले सूट राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी के पसंदीदा थे। कंपनी ने दो विश्वयुद्ध, महान आर्थिक मंदी और राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा पहनावे के मानक को ढीला किये जाने जैसी चुनौतियों को सफलता पूर्वक झेला है। कोरोना महामारी का वाली कंपनियों में इस तरह एक और बड़ा नाम जुड़ गया। शिकार होने वाली कंपनियों में इस तरह एक और बड़ा नाम जुड़ गया। कोरोना वायरस महामारी के कारण खुदरा क्षेत्र गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। इससे पहले प्रतिस्पर्धी कंपनी बार्नीज न्यूयॉर्क भी दिवालियापन संरक्षण का आवेदन दायर कर चुकी है।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट पर भी कोविड-19 का असर, रेल मंत्री ने दिए संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने संकेत दिया कि मुंबई और अहमदाबाद के बीच महत्वाकांक्षी बुलेट ट्रेन परियोजना के वित्तीय पहलू की समीक्षा की जा रही है क्योंकि कोविड-19 महामारी के बाद 'खर्च में किफायत' बरतनी होगी। उन्होंने इंडिया ग्लोबल वीक में कहा कि रेलवे इन परियोजनाओं के लिए प्रतिबद्ध है और हम इसके लिए योजनाओं और लागत को अंतिम रूप देने के स्तर पर हैं। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से कोविड-19 ने बुलेट ट्रेन के संबंध में हमारी महत्वाकांक्षाओं को थोड़ा सा प्रभावित किया है और हम कोविड-19 के बाद की दुनिया में परियोजनाओं पर फिर से विचार कर रहे हैं और इसमें लागत में कटौती शामिल है। सूत्रों ने बताया कि परियोजना की लागत को कम करने के लिए भारत की उच्चस्तरीय इंजीनियरिंग कौशल वाली कंपनियों की मदद लेने के बारे में जापान के साथ बातचीत चल रही है। गोयल ने आगे कहा कि सरकार खनन, बैंकिंग और पूंजी बाजार जैसे विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए नए नीतिगत सुधारों पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार घरेलू मंजूरी और नौकरशाही प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर विचार कर रही है ताकि उद्योग के लिए कामकाज करना आसान हो सके। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय रेलवे के सौ फीसदी विद्युतीकरण को मंजूरी प्रदान कर दी है। गोयल ने कहा, प्रधानमंत्री ने भारतीय रेल के सौ फीसद विद्युतीकरण के कार्यक्रम को मंजूरी प्रदान कर दी है। भारत में 1,20,000 ट्रैक किमी के सौ फीसदी विद्युतीकरण वाली हम दुनिया की सबसे बड़ी रेलवे होंगे। गोयल ने कहा, हमें उम्मीद है कि 2030 तक हम कुल जीरो उत्सर्जन के साथ दुनिया की सौ फीसद ग्रीन रेलवे होंगे। गोयल ने कहा, इस बात के स्पष्ट संकेत हैं कि भारत काम में फिर जुटने की राह पर है। हमने हमेशा तेजी से वापस रफ्तार पकड़ने की क्षमता दिखाई है। हमने हमेशा तेजी से वापस रफ्तार पकड़ने की क्षमता दिखाई है। ऐतिहासिक तौर पर भारत ने कई चुनौतियों का सामना किया है, लेकिन हमारे पास हमेशा ही तेजी से वापस काम में जुटने का लचीलापन था।

कोरोना काल में इस कंपनी ने बढ़ाई 12 प्रतिशत सैलरी, साथ में दिया बोनस

नई दिल्ली। अक्षय ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी रीन्यू पावर ने कोरोना वायरस महामारी के बीच अपने सभी कर्मचारियों को 12 प्रतिशत तक की वेतन वृद्धि और बोनस दिया है। यह इस चुनौतीपूर्ण समय में ऐसा करने वाली चंद कंपनियों में है। उद्योग जगत के सूत्रों के अनुसार, अक्षय ऊर्जा क्षेत्र की कुछ अन्य कंपनियों ने भी वेतन वृद्धि दी है, लेकिन इन कंपनियों ने सभी कर्मचारियों को इसका लाभ नहीं दिया है। दस लाख रुपए से कम आय वाले कर्मचारियों को इन कंपनियों के द्वारा बेहद मामूली वेतन वृद्धि दी गई है। रीन्यू पावर के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सुमंत सिन्हा ने कहा, '2020 सभी के लिए एक चुनौतीपूर्ण वर्ष रहा है। रीन्यू पावर के समक्ष भी ऐसी चुनौतियां आईं, लेकिन कंपनी ने दृढ़ संकल्प के साथ प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना किया है और संचालन जारी रखना सुनिश्चित किया है।' उन्होंने कहा, 'इस कठिन समय में, हमने जानबूझकर वेतन बढ़ोतरी और बोनस के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे कर्मचारियों को किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े। अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों के धीरे-धीरे ठीक हो जाने के बाद, मैं उम्मीद करता हूं कि भारतीय अर्थव्यवस्था वृद्धि की राह पर जल्दी ही वापस आ जाएगी।' अर्थव्यवस्था वृद्धि की राह पर जल्दी ही वापस आ जाएगी।'

कोरोना काल में दालों की कीमतों में हुई बढ़ोतरी, इन चीजों पर नहीं पड़ा कोई खास असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिए देशभर में लागू लॉकडाउन के बावजूद स्थानीय खुदरा बाजार में फरवरी से जून, 2020 के दौरान रसोई की वस्तुओं के दाम में कोई खास घट-बढ़ नहीं दिखी। पर एक साल पहले की तुलना में दालों के भाव में तेजी आई है। लॉकडाउन के चलते डाटा एकत्रित करने की मुश्किलों के कारण सरकार इस दौरान खुदरा मूल्य सूचकांक के पूरे आंकड़े जारी नहीं कर सकी है। दिल्ली में किराने का सामान की सामान्य दुकान से राशन की खरीदारी के मुताबिक मई, जून में उड़द छिल्का, मसूर और अरहर जैसी दालों के दाम एक साल पहले के मुकाबले 30 प्रतिशत तक बढ़ गए। आटा और चावल के दाम में एक साल पहले से छह प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, इस साल फरवरी से जून के बीच एक आध दाल को छोड़कर खाने-पीने की अन्य जिंसों के खुदरा भाव में ज्यादा घटबढ़ नहीं दिखी। वहीं, मई-जून 2019 के मुकाबले मई-जून 2020 में खुली उड़द छिल्का का दाम सबसे ज्यादा 31.25 प्रतिशत बढ़कर 100-105 रुपए किलो, दाल मल्का-मसूर 25 प्रतिशत बढ़कर 75 रुपए किलो हो गई। इस अवधि में चना दाल तीन प्रतिशत से अधिक घटकर 62 रुपए किलो के आसपास रह गई। आटा, चावल में दो से लेकर 6 प्रतिशत तक वृद्धि हुई। हल्दी मिर्च, धनिया के दाम में क्वालिटी के मुताबिक सीमित घटबढ़ ही रही। चायपत्ती पांच प्रतिशत महंगी हुई है। चीनी खुली का दाम पिछले कुछ साल से 35-36 रुपए किलो के दायरे में ही चल रहा है। सरकार की तरफ से केवल खाद्य समूह की वस्तुओं के मूल्यों के आधार पर जारी मई महीने के अखिल भारतीय उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई ग्रामीण क्षेत्र में 9.69 प्रतिशत और शहरी क्षेत्र में 8.36 प्रतिशत रही। कुल मिलाकर खाद्य समूह की खुदरा महंगाई दर 9.28 प्रतिशत रही। इसी प्रकार थोक मूल्य सूचकांक में अप्रैल के समग्र आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं जबकि मई में थोक मूल्य सूचकांक सालाना आधार पर 3.21 प्रतिशत घटा है। इस वर्ष स्थानीय खुदरा बाजार में फरवरी से जून की पांच माह की अवधि में पैकिंग वाला दस किलो आटा 330 से 340 रुपए हो गया, अरहर दाल 95 रुपए, मूंग साबूत 100 रुपए किलो पर टिकी रही लेकिन मल्का मसूर पांच-दस रुपए बढ़कर 75 रुपए किलो हो गई। किराना व्यापारी बजरंग लाल गोयल का कहना है कि लॉकडाउन के दौरान थोक मंडियों से माल लाना काफी कठिनाई वाला काम रहा। मजदूर और माल वाहनों की कमी से भाड़ा बढ़ गया। वहीं रबी मौसम में चने की ताजा आवक होती है, जबकि उड़द, मूंग का मौसम समाप्ति की ओर रहता है इसलिए भाव ऊंचे रहते हैं। मजदूर और माल वाहनों की कमी से भाड़ा बढ़ गया। वहीं रबी मौसम में चने की ताजा आवक होती है, इसलिए इसमें कुछ नरमी रहती है, जबकि उड़द, मूंग का मौसम समाप्ति की ओर रहता है इसलिए भाव ऊंचे रहते हैं।

पहली छमाही में गोल्ड ईटीएफ में आया 3,500 करोड़ रुपये का निवेश

नयी दिल्ली। गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में चालू साल 2020 की पहली छमाही में शुद्ध रूप से 3,500 करोड़ रुपये का निवेश आया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है । कोविड-19 संकट के बीच निवेशक जोखिम वाली संपत्तियों में अपना निवेश घटाकर सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं जिसके चलते गोल्ड ईटीएफ का आकर्षण बढ़ा है। इससे पिछले साल की समान छमाही यानी जनवरी-जून, 2018 के दौरान निवेशकों ने गोल्ड ईटीएफ से 160 करोड़ रुपये की निकासी की थी। पिछले करीब एक साल से यह इस श्रेणी का प्रदर्शन अच्छा रहा है। आंकड़ों के अनुसार, अगस्त, 2019 से गोल्ड ईटीएफ में शुद्ध रूप से 3,723 करोड़ रुपये का निवेश आया है। इस साल 30 जून को समाप्त छमाही में गोल्ड ईटीएफ को शुद्ध रूप से 3,530 करोड़ रुपये का निवेश मिला। मासिक आंकडों को देखा जाए, तो जनवरी में इसमें 202 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया। फरवरी में इस श्रेणी में 1,483 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। वहीं मार्च में निवेशकों ने गोल्ड ईटीएफ से 195 करोड़ रुपये की निकासी की। अप्रैल में फिर गोल्ड ईटीएफ में 731 करोड़ रुपये का निवेश आया।

12 दिन बाद फिर बढ़ी तेल की कीमतें

बिजनेस डेस्क(एजेंसी)। तेल विपणन कंपनियों ने 12 दिन के अंतराल के बाद रविवार को डीजल के दाम में बढ़ोत्तरी की है। दिल्ली में डीजल की कीमत 16 पैसे बढ़ गई है। इसी बढ़ोतरी के साथ नई कीमत 80.94 रुपए प्रति लीटर हो गई है। हालांकि, पेट्रोल की कीमतें आज भी स्थिर हैं और उनमें कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। आज यानि रविवार को दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 80.43 रुपए प्रति लीटर है। इंडियन ऑयल के अनुसार मुंबई में पेट्रोल की कीमत 87.19 रुपए प्रति लीटर है। वहीं डीजल की कीमत 12 पैसे बढ़कर 79.17 रुपए प्रति लीटर हो गई है। वहीं कोलकाता में आज पेट्रोल 82.10 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है, जबकि डीजल की कीमत 16 पैसे जबकि डीजल की कीमत 16 पैसे बढ़कर 76.05 रुपए प्रति लीटर हो गई है। इसके अलावा चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 83.63 रुपए प्रति लीटर है, जबकि डीजल 10 पैसे महंगा होकर 78.01 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। दिल्ली- पेट्रोल 80.43 रुपए और 80.94 रुपए लीटर है मुंबई- पेट्रोल के दाम 87.19 रुपए और डीजल 79.17 रुपए लीटर है कोलकाता- पेट्रोल 82.10 रुपए और डीजल 76.05 रुपए लीटर चेन्नई- पेट्रोल 83.63 रुपए और डीजल के दाम 78.01 रुपए लीटर है नोएडा- पेट्रोल 81.08 रुपए और डीजल 72.91 रुपए लीटर है गुरुग्राम- पेट्रोल 78.64 रुपए और डीजल 73.09 रुपए लीटर है लखनऊ- पेट्रोल 80.98 रुपए और डीजल 72.81 रुपए लीटर है पटना- पेट्रोल 83.31 रुपए और डीजल 77.77 रुपए लीटर है बीते जून में डीजल 11.23 रुपए महंगा तो पेट्रोल 9.17 रुपए अंतर्राष्ट्रीय बाजार में यूं तो बीते जून महीने के अधिकतर दिन क्रूड आयल की कीमतों में नरमी का ही रुख रहा, लेकिन घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतें लगातार बढ़ रही थीं। अभी इंडियन बास्केट कच्चे तेल की कीमत 40 डॉलर प्रति बैरल के आसपास चल रही है। लेकिन पेट्रोल-डीजल की कीमतें पिछले महीने करीब-करीब बढ़ती ही रही। इसी का असर है कि पिछले महीने डीजल की कीमत में 11.23 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। इतने दिनों में पेट्रोल का दाम भी 9.17 रुपए प्रति लीटर चढ़ गया। पेट्रोल-डीजल के भाव रोजाना बदलते हैं और सुबह 6 बजे अपडेट हो जाते हैं। पेट्रोल-डीजल का रोज़ का रेट आप के जरिए भी जान सकते हैं ।

गाड़ी के रजिस्ट्रेशन या फिटनेस के लिए भी देनी होगी फास्टैग की जानकारी, जारी हुए निर्देश

नई दिल्ली(एजेंसी)। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने देशभर में वाहनों का पंजीकरण करने या उनको फिटनेस सर्टिफिकेट जारी करते समय फास्टैग विवरण लेना सुनिश्चित करने का फैसला लिया है। इसके लिए मंत्रालय ने सभी राज्यों को एक पत्र लिखा है। दरअसल, मंत्रालय की ओर से एनआईसी को लिखे एक पत्र में, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भेजी इसकी प्रतियों के साथ मंत्रालय ने सूचित किया है कि वाहन (वीएएचएएन) पोर्टल के साथ राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह को पूरी तरह जोड़ दिया गया है और यह 14 मई को एपीआई के साथ लाइव हुआ है। वाहन प्रणाली अब वीआईएन/वीआरएन के माध्यम से फास्टैग पर सभी जानकारी हासिल कर रही है। इसके अलावा मंत्रालय ने नए वाहनों का पंजीकरण करते वक्त और राष्ट्रीय परमिट के तहत चलने वाले वाहनों को फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करते समय भी फास्टैग की जानकारी लेना सुनिश्चित करने को कहा है। रू और ह श्रेणी के वाहनों की बिक्री के समय नए वाहनों में फास्टैग लगाना 2017 में अनिवार्य कर दिया गया था लेकिन बैंक खाते के साथ जोड़ने या उन्हें सक्रिय किए जाने से नागरिक बच रहे थे, जिसकी अब जांच की जाएगी। फास्टैग लगाना यह सुनिश्चित करना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क प्लाजा को पार करने वाले वाहन फास्टैग भुगतान के इलेक्ट्रॉनिक माध्यम का उपयोग करते हैं और नकद भुगतान से बचा जाता है। फास्टैग का यह उपयोग और प्रचार राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क प्लाजा पर कोरोना वायरस के फैलने की संभावनाओं को कम करने में भी प्रभावी होगा। इस योजना पर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने नवंबर, 2017 में राजपत्र अधिसूचना जारी की थी।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.03 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 1,03,625.35 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। इसमें से करीब आधा लाभ अकेले रिलायंस इंडस्ट्रीज को हासिल हुआ। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 572.91 अंक या 1.59 प्रतिशत के लाभ में रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल), इन्फोसिस और एचडीएफसी के बाजार पूंजीकरण में इजाफा हुआ। वहीं भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, आईटीसी तथा आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन घट गया। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 57,688.58 करोड़ रुपए बढ़कर 11,90,857.13 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 17,102.22 करोड़ रुपए बढ़कर 6,06,867.94 करोड़ रुपए पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 12,088.43 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 5,22,481.19 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। टीसीएस की बाजार हैसियत 8,499.15 करोड़ रुपए बढ़कर 8,33,648.55 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इसी तरह इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 8,177.58 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 3,32,980.71 करोड़ रुपए और एचडीएफसी का 69.39 करोड़ रुपए की बढ़त के साथ 3,27,189.91 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इस रुख के उलट आईटीसी का बाजार मूल्यांकन 16,041.36 करोड़ रुपए घटकर 2,38,838.05 करोड़ रुपए रह गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 3,491.56 करोड़ रुपए घटकर 3,13,530.88 करोड़ रुपए रह गई। कोटक महिंद्रा बैंक का मूल्यांकन 791.52 करोड़ रुपए घटकर 2,67,039.65 करोड़ रुपए पर आ गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 420.94 करोड़ रुपए टूटकर 2,33,361.95 करोड़ रुपए रह गया। 420.94 करोड़ रुपए टूटकर 2,33,361.95 करोड़ रुपए रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही।

हवाई यात्रियों के लिए सफर करना हुआ आसान, सरकार ने बदला नियम

बिजनेस डेस्क (एजेंसी)। सीविल एविएशन मिनिस्ट्री ने फ्लाइट से ट्रैवल करने के लिए यात्रियों द्वारा भरे जाने वाले सेल्फ-डिक्लेयरेशन फॉर्म को अपडेट किया है। मिनिस्ट्री ने सभी एयरलाइंस को जानकारी दी है कि जो यात्री बीते 21 दिन में कोरोना पॉजिटीव नहीं पाए गए हैं, उन्हें ही ट्रैवल करने की अनुमति दी जाएग। 21 दिन की यह समय सीमा यात्रा की तारीख से पहले की होगी। ने अपनी एक रिपोर्ट में इस बारे में बताया है। ध्यान देने वाली बात है कि 21 मई को एविएशन मिनिस्ट्री द्वारा जारी किए गए नोटिफिकेशन में कहा गया था कि पिछले 2 महीने में कोविड-19 पॉजिटिव नहीं पाए गए यात्रियों को ही ट्रैवल करने की अनुमति होगी। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, मिनिस्ट्री ने यह फैसला इसलिए लिया है, क्योंकि उसका मानना है कि देश में बड़ी संख्या में लोग कोरोना वायरस संक्रमण से रिकवर हो चुके हैं। ऐसे में यात्रा करने वाले लोगों को होने वाली परेशानी को दूर करने के लिए मिनिस्ट्री ने यह फैसला लिया है। सेल्फ-डिक्लेयरेशन फॉर्म में इस अपडेट के बारे में एयरलाइंस को कुछ दिन पहले ही जानकारी दी गई है। इसमें आगे बताया गया है कि अगर कोई व्यक्ति कोरोना वायरस संक्रमण से रिकवरी कर चुका है और बीते 3 सप्ताह में उसकी रिपोर्ट पॉजिटीव नहीं आई है तो उन्हें भी हवाई यात्रा करने की अनुमति दी जा सकती है। हालांकि, रिकवर्ड लोगों को कोविड-19 डिस्चार्ज सर्टिफिकेट दिखाना होगा। कोविड-19 रिकवरी सर्टिफिकेट दिखाने पर भी अनुमति मिल जाएगी। इसे उस हॉस्पिटल से प्राप्त किया जा सकता है, जहां पर कोरोना का इलाज कराया गया है। भारत में अब तक संक्रमित हुए 8.2 लाख भारत में अब तक संक्रमित हुए 8.2 लाख भारत में अब तक संक्रमित हुए 8.2 लाख संक्रमित लोगों में से 5.15 लाख रिकवर हो चुके हैं। इसका मतलब रिकवरी रेट 63 फीसदी है। देश में कोरोना वायरस से अब तक 22,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। भारत में कोरोना वायरस महामारी के चलते करीब 2 महीने बाद डोमेस्टिक फ्लाइट सर्विस शुरू की गई। जो कि 25 मई से शुरू कर दी गई थी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

जस्टिन थॉमस वर्कडे चैरिटी ओपन के तीसरे दौर के बाद शीर्ष पर

डबलिन । जस्टिन थॉमस ने वर्कडे चैरिटी ओपन के तीसरे दौर में शनिवार को छह अंडर 66 का कार्ड खेल दो शॉट की एकल बढ़त हासिल कर ली है। जस्टिन थॉमस ने वर्कडे चैरिटी ओपन के तीसरे दौर में शनिवार को छह अंडर 66 का कार्ड खेल दो शॉट की एकल बढ़त हासिल कर ली है। अमेरिका के पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी का 54 होल के खेल के बाद कुल स्कोर 16 अंडर 200 है। नोवें के विक्टर होवलैंड 14 अंडर 202 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर है। उन्होंने भी तीसरे दौर में छह अंडर का कार्ड खेला। दूसरे दौर के बाद शीर्ष पर रहे कोलिन मोरिकावा तीसरे दौर के बाद 13 अंडर के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गये है। उन्होंने भी तीसरे दौर में छह अंडर का कार्ड खेला। दूसरे दौर के बाद शीर्ष पर रहे कोलिन मोरिकावा तीसरे दौर के बाद 13 अंडर के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गये है।

ओलिंपिक क्वॉलिफाई कर चुके स्विमर को ट्रेनिंग की परमिशन नहीं, जब बॉडी कॉन्टैक्ट गेम्स को परमीशन तो स्विमिंग को क्यों नहीं? : फेडरेशन

मुंबई (एजेंसी)।

कोरोनावायरस के बीच भारतीय खेल और गृह मंत्रालय ने स्वीमिंग समेत कुछ गेम्स को छोड़कर लगभग सभी स्पोर्ट्स ट्रेनिंग सेशन को मंजूरी दे दी है। ऐसे में स्वीमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के सक्रेटरी मोनल चौकसी ने ट्रेनिंग की अनुमति के लिए दोनों मंत्रालयों को लेटर लिखा है। चौकसी ने भास्कर से कहा कि अब तक 6 स्विमर टोक्यो ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुके हैं। टोक्यो गेम्स अगले साल ही होने हैं, ऐसे में इन एथलीट्स को बेहतर तैयारी के लिए ट्रेनिंग की परमीशन देनी चाहिए। शॉपिंग मॉल भी खुल चुके, फिर ट्रेनिंग कैंप को मंजूरी क्यों नहीं? चौकसी ने कहा, ''बॉक्सिंग जैसे बॉडी कॉन्टैक्ट गेम्स के ट्रेनिंग कैंप को परमीशन मिल चुकी है। जबकि हम कई बार मंत्रालय और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के अधिकारियों से परमीशन के लिए गुहार लगा चुके हैं। हमें अब तक परमीशन नहीं मिली है। जबकि अनलॉक टू में शॉपिंग मॉल को भी खोलने का परमीशन दी जा चुकी है।'' यह 6 स्विमर ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुके चौकसी ने बताया कि 6 स्विमर ओलिंपिक के बी क्वालिफिकेशन का कोटा हासिल कर चुके हैं। इनमें वीरधवल खाड़े, सज्जन प्रकाश, श्रीहरि नटराज, कुशाग्र रावत, एसपी लिखिथ और अद्वैत पागे शामिल हैं। हमने केवल इन्हीं 6 स्विमर को परमीशन देने की मांग की गई है। बेंगलुरु साई सेंटर में नियमों के पालन में नहीं होगी दिक्कत चौकसी ने कहा, ''साई का बेंगलुरु में एक्सीलेंस सेंटर है। यहां पर हर प्रकार की सुविधा है। इसी सेंटर में स्विमर के लिए ट्रेनिंग कैंप लगाने की मांग की है। यहां पर कोरोना गाइडलाइन्स का पालन करने में कोई परेशानी नहीं होगी। यहां पर स्टाफ काफी संख्या में है। ऐसे में स्विमर के लिए अलग से कोई ज्यादा व्यवस्था करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।'' कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद ही परमीशन दे । उन्होंने कहा कि ट्रेनिंग से पहले स्विमर को 14 दिन क्वारैंटाइन रखा जाए और उनका कोरोना टेस्ट निगेटिव आने के बाद ही परमीशन मिले। ऐसे में कोरोना के संक्रमण की संभावना बहुत कम होगी। एशियन गेम्स मेडलिस्ट वीरधवल लगा चुके हैं गुहार एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले तैराक वीरधवल खाड़े कह चुके हैं कि ट्रेनिंग के लिए जल्द पूल नहीं खोले गए तो संन्यास के बारे में सोचना पड़ेगा। उन्होंने कहा था कि अगर स्विमर को ट्रेनिंग शुरू करने की परमीशन नहीं मिली तो ओलिंपिक की तैयारी में काफी परेशानी होगी।

शेल्डन जैक्सन ने सौराष्ट्र को अलविदा कहा, पुडुचेरी की ओर से खेलेंगे

चेन्नई/मुंबई (एजेंसी)।

पिछले सत्र में सौराष्ट्र के पहले रणजी ट्रॉफी खिताब में अहम भूमिका निभाने वाले स्टार बल्लेबाज शेल्डन जैकसन इस साल घरेलू क्रिकेट में पुडुचेरी के लिए खेलेंगे। इस क्रिकेटर ने कहा है कि उनके लिए यह फैसला 'आसान नहीं था। दायें हाथ के बल्लेबाज जैकसन ने 2019-20 सत्र में 10 मैचों (18 पारी) में 50.56 की औसत से 809 रन बनाए। जैकसन ने सौराष्ट्र क्रिकेट संघ (एससीए) की विज्ञप्ति में कहा, 'यह मेरे लिए सबसे मुश्किल फैसलों में से एक रहा और मेरे लिए यह आसान नहीं था लेकिन मुझे लगता है कि यह आगे बढ़ने और किसी अन्य टीम या राज्य के लिए पेशेवर के रूप में खेलने का सही समय है। पुडुचेरी क्रिकेट संघ (सीएपी) के सचिव वी चंद्रन ने पीटीआई को बताया कि पिछले सत्र में चोटों के कारण बाहर रहने के बाद तेज गेंदबाज पंकज सिंह एक बार फिर पुडुचेरी की ओर से खेलेंगे जबकि घरेलू क्रिकेट के एक और स्टार बल्लेबाज पारस डोगरा टीम के तीसरे मेहमान खिलाड़ी होंगे। सौराष्ट्र के लिए 2011 में पदार्पण करने वाले जैकसन ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 49.42 के औसत से 5634 रन बनाए हैं जिसमें 19 शतक और 27 अर्धशतक शामिल हैं। जैकसन को घरेलू क्रिकेट में किसी और संघ की ओर से खेलने के लिए एससीए से अनापत्ति प्रमाण पत्र मिल गया है। तैंतीस साल के जैकसन ने कहा, ''अब तक का सफर शानदार रहा और मैं अच्छे और बुरे समय में मेरे साथ खड़े रहने के लिए सौराष्ट्र क्रिकेट संघ का आभारी हूं। एससीए अध्यक्ष जयदेव शाह ने जैकसन की सराहना की और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। सी

कोरोना के खिलाफ जंग: कोलकाता पुलिस के लिए ईडन गार्डन्स होगा क्वारंटीन सेंटर

कोलकाता। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस 'कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) ने कोलकाता पुलिस के लिए ईडन गार्डर्न क्रिकेट स्टेडियम में क्वारंटीन सेंटर बनाने का फैसला लिया है। कैब अध्यक्ष अविषेक डालमिया ने कोलकाता पुलिस के बंगाल बोर्ड से स्टेडियम के कुछ हिस्सों को क्वारंटीन केंद्र बनाने की मांग पर एक बयान में कहा, 'ऐसे संकट की घड़ी में प्रशासन की मदद करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, 'क्वारंटीन की सुविधा कोरोना योद्धा के रूप में कोरोना से जंग लड़ रहे पुलिसकर्मियों के लिये की जाएगी। पांच गैलरी यानी ई, एफ, जी, एच और जे ब्लॉक्स के नीचे की जगह का उपयोग किया जाएगा। कोलकाता पुलिस और कैब के बीच हुई सहमति यह सुनिश्चित करेगी कि क्रिकेट और प्रशासनिक गतिविधियों के लिए उपयोग किए जाने वाले क्षेत्र अप्रभावित रहे। ग्राउंड्समैन और अन्य कर्मचारियों को स्टेडियम के अंदर बी, सी, के और एल ब्लॉक में डॉर्मिटरी और अन्य सुरक्षित स्थानों पर भेजा जाएगा। कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर यहां नौ जुलाई से कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर यहां नौ जुलाई से लॉकडाउन लगा दिया गया है। पिछले 24 घंटे में 1198 मामले सामने आये हैं जबकि 26 मौतें हो चुकी हैं।

गांगुली का कोहली को संदेश, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सिर्फ अच्छा खेलना ही काफी नहीं

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी) ।

पूर्व भारतीय कप्तान और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने दिसम्बर में होने वाले ऑस्ट्रेलियाई दौरे की पुष्टि की है। इसी के साथ ही गांगुली ने भारतीय कप्तान विराट कोहली से सिर्फ अच्छा खेलने ही काफी नहीं बल्कि उनसे जीतने की उम्मीद लगाई है। बीसीसीआई अध्यक्ष गांगुली ने कहा कि अब बार की ऑस्ट्रेलियाई टीम 2018 की टीम से काफी अलग है। ये एक मुश्किल सीरीज होने वाली है। हालांकि हमारी टीम भी अच्छी है। गांगुली ने कहा कि हमारे पास बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों ही हैं। उन्होंने टीम से उम्मीद लगाते हुए कहा कि हम अच्छे से बल्लेबाजी करेंगे। आप विदेशों में सर्वश्रेष्ठ टीमों को जानते हैं, वे अच्छी बल्लेबाजी करते हैं। जब हम घर से दूर, इंग्लैंड में, ऑस्ट्रेलिया में और पाकिस्तान में इतने सफल थे, तो हमने टेस्ट मैचों में 400, 500 और 600 रन बनाए। गांगुली ने कहा कि मैंने विराट से भी कहा है। मैंने उससे कहा कि चीफ, मेरे मन में उनके लिए, रोहित शर्मा और बुमराह के लिए बेहद सम्मान है। क्योंकि तुम विराट कोहली हो, ऐसे में आपके मानक उच्च हैं। जब आप खेलने के लिए जाएंगे, अपनी टीम के साथ जाएंगे तो मैं आपको टीवी पर देखूंगा, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ केवल अच्छा मत खेलता। मैं आपसे जीत की उम्मीद करता हूं। गांगुली

ने आगे कहा कि मेरे लिए तो यही है। क्योंकि आपने मानक तय किए हैं। यह किसी और का नहीं है। इसलिए आपको मानकों पर खरा उतरना होगा। गौर हो कि ऑस्ट्रेलिया में 2018 टूर के दौरान भारत ने कंगारूओं को उन्हीं की धरती पर हराया था। हालांकि इस दौरान स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर बैन के कारण टीम में नहीं थे। ऐसा पहली बार हुआ था कि भारत ने ऑस्ट्रेलिया को उसी की धरती पर टेस्ट सीरीज में हराया हो।

ऐसा पहली बार हुआ था कि भारत ने ऑस्ट्रेलिया को उसी की धरती पर टेस्ट सीरीज में हराया हो।

संक्षिप्त समाचार

ग्रीम स्मिथ ने बांधें धोनी की तारीफों के पुल, कहा- माही से मिलना एक सपने जैसा

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ ने भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की तारीफों के पुल बांधते हुए उन्हें एक शांत स्वभाव वाला ऐसा व्यक्ति बताया जिससे हर कोई मिलना पसंद करेगा। स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम 'क्रिकेट कनेक्टेड में स्मिथ ने कहा, 'विश्व क्रिकेट में शायद ही कोई खिलाड़ी हो जो धोनी के साथ मिलना नहीं चाहेगा। वह अपने काम पर ध्यान देना पसंद करते हैं। धोनी काफी शांत स्वभाव के व्यक्ति हैं। हमारी टेलीफोन पर काफी बातचीत होती है। स्मिथ ने कहा, 'वह हमेशा शांत, स्वीकार्य और बातचीत में रुचि दिखाने वाले इंसान हैं इसलिए उनके प्रति काफी सम्मान है।

क्रीड ने वर्षा से प्रभावित ट्रक रेस जीती, दर्ज की पहली जीत

स्पार्टा । शेल्डन क्रीड ने केंटुकी स्पीडवे में वर्षा से प्रभावित नैसकार ट्रक्स सीरीज रेस जीत ली। 22 साल के क्रीउ ने 37 रेस में पहली जीत दर्ज की। उन्होंने दूसरा चरण जीता जब तूफान और बारिश के कारण रेस बीच में रोकनी पड़ी। क्रीड ने नंबर टू जीएमएस रेसिंग शेवरले की ओर से दूसरे स्थान से शुरुआत की थी और पहले चरण में तीसरे स्थान पर रहे थे। वह हालांकि 54वें लैप पर रेस दोबारा शुरू होने पर पिछड़ गए लेकिन वापसी करके बढ़त हासिल करने में सफल रहे। दूसरे चरण की 225 मील की रेस को हालांकि बिजली चमकने के कारण 71 लैप पर ही रोकना पड़ा।

टेबल टेनिस विश्व टीम चैंपियनशिप 2021 की शुरुआत तक स्थगित

सोल। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस 'कोविड-19' के मद्देनजर अंतर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) ने शनिवार को टेबल टेनिस विश्व टीम चैंपियनशिप अगले वर्ष तक के लिये स्थगित करने की घोषणा की है। कोरोना महामारी के मद्देनजर अंतर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस की वर्तमान स्थिति पर चर्चा करने के लिए आईटीटीएफ की कार्यकारी समिति ने शुक्रवार को बैठक की थी।मुख्य हितधारकों से बातचीत करने के बाद कार्यकारी समिति ने हाना बैंक विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2020 को 28 फरवरी 2021 से सात मार्च 2021 तक बुसान में आयोजित कराने का निर्णय लिया है। आईटीटीएफ की कार्यकारी समिति ने कहा कि कोरोना महामारी के मद्देनजर इस पर आगे की समीक्षा करने के विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप पहले दक्षिण कोरिया के शहर बुसान में 22-29 मार्च को आयोजित होने वाली थी।

खेलों में बच्चों की प्रगति में माता-पिता की महत्वपूर्ण भूमिका: बबीता

इंदौर (एजेंसी)।

अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित और राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता महिला पहलवान बबीता फोगाट ने कहा है कि खेलों में बच्चों की प्रगति में माता-पिता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और भारतीय कुश्ती महासंघ ने एक जुलाई से ई-पाठशाला शुरू की है जिसका उद्देश्य उभरते पहलवानों को ऑनलाइन ट्रेनिंग की सुविधा प्रदान करना है। साई प्रतिदिन देश के बेहतरीन पहलवानों को ई-पाठशाला में वक्ताओं के रूप में आमंत्रित करती है ताकि युवा पहलवान उनके अनुभवों से कुछ सीख सकें।गुरुवार के प्रशिक्षण सत्र में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित और राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता बबीता वक्ता के रूप में शामिल हुईं। भारतीय महिला कुश्ती टीम के मुख्य कोच कुलदीप मलिक ने बताया कि ई पाठशाला में बबीता के आने की खबर से अचानक फैंस की संख्या बढ़ गई। वैसे तो, बबीता अब राजनीति में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता हैं, लेकिन यहां वह एक कुश्ती खिलाड़ी होने के साथ जुड़ी हुई थीं। युवा पहलवानों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि खेलों में बच्चों की प्रगति में माता-पिता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वे पूर्ण भरोसे के साथ सहयोग करते है, लेकिन इसके बदले हमें स्वयं कड़ी मेहनत करनी होती है।बबीता ने बच्चों को कड़ी मेहनत का महत्ता समझाते हुये कहा कि किसी भी व्यक्ति को अपने जीवन में अपनी मंजलि और लक्ष्य पाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। उन्होंने ई-पाठशाला के अंत मे इंदौर के अर्जुन अवार्डी पहलवान और रेलवे कुश्ती टीम के कोच कृपाशंकर बिश्नोई और कुलदीप मलिक को भी धन्यवाद दिया और कहा कि उन्हें लंबे समय तक राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में इनसे प्रशिक्षण लेने का अच्छा अनुभव प्राप्त हुआ।उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे को अपने कोच की इज़्ज़त करनी चाहिए क्योंकि गुरु शिष्यों के साथ जिस तरह स्नेह और ईमानदारी से कार्य करते हैं, उसी तरह शिष्यों को भी अपने कुश्ती खेल धर्म के अनुसार उनका सम्मान करना चाहिए। उन्होंने सोनीपत साई सेंटर की निदेशक ललिता शर्मा को भी धन्यवाद दिया। उनके प्रयासों के बाद ई-पाठशाला मंच के माध्यम से युवा खिलाड़ी देश के अनुभवी खिलाड़ियों मंच के माध्यम से युवा खिलाड़ी देश के अनुभवी खिलाड़ियों और कोचों के तकनीकी कौशल का लाभ उठा रहे हैं और वे बातचीत के माध्यम से अपनी तकनीक और संपूर्ण खेल में सुधार कर रहे हैं।

ब्राजील : 14 फुटबॉलरों के कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद मैच रद्द

रियो डी जेनेरो (एजेंसी) ।

दक्षिण ब्राजील के सबसे बड़े फुटबॉल चैंपियनशिप में एक टीम के 14 खिलाड़ियों के कोरोना वायरस 'कोविड-19 संक्रमित होने के कारण 24 घंटे पहले रद्द कर दिया गया। सांता कैटेरिना राज्य चैंपियनशिप 8 जुलाई को चार मैचों के साथ फिर से शुरू हुई थी जिसमें चेपेकोंसे ने अवाई को 2-0 से मात दी थी। दोनों टीमों के बीच रिटर्न मैच रविवार को शाम 4 बजे शुरू होने वाला था लेकिन राज्य के स्वास्थ्य सचिवालय के आदेश के मद्देनजर रद्द कर दिया गया। एक बयान में कहा गया है कि एक टीम के 14 खिलाड़ी कोरोना संक्रमित हो गए हैं और ऐसे में सभी खिलाड़ियों को जरूरी सुरक्षा उपायों का अनुसरण करना होगा। बयान में यह नहीं बताया गया है कि किस टीम के 14 खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव आए हैं लेकिन एक ब्राजिलियन वेबसाइट के मुताबिक संक्रमित खिलाड़ी चेपेकोंसे से हैं। हालांकि क्लब ने

इस रिपोर्ट पर अपनी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ब्राजील के सांता कैटेरिना राज्य में अभी तक 42,026 कोरोना मामले सामने आए हैं जबकि 485 लोगों की मौत हो चुकी है।

16 साल की उम्र में पिता ने मुझे सफलता के लिए 2 साल दिए थे, फेल होता तो टेनिस छोड़कर स्कुल जाना पड़ता: फेडरर

तूरिन । स्विट्जरलैंड के टेनिस स्टार और वर्ल्ड नंबर-4 रोजर फेडरर (39) ने कहा कि जब वे 16 साल के थे, तब उनके लिए थोड़ा कठिन समय था। उस वक्त वे पढ़ाई के कारण खेल पर ध्यान नहीं दे पा रहे थे। इस कारण उन्होंने पिता से पढ़ाई छोड़ने की बात कही थी। इस पर पिता ने उन्हें 2 साल का वक्त दिया था और कहा था कि सफल नहीं हुए तो टेनिस छोड़कर स्कूल जाना पड़ेगा। फेडरर के नाम सबसे ज्यादा 20 टेनिस ग्रैंड स्लैम जीतने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 8 विंबलडन, 6 ऑस्ट्रेलियन ओपन, 5 यूएस ओपन और एक फ्रेंच ओपन जीता है। फेडरर के बाद दूसरे नंबर पर स्पेन के राफेल नडाल हैं, जिन्होंने 19 ग्रैंड स्लैम जीते हैं। स्विस प्लेयर ने कहा, ''मेरे पेरेंट्स हर साल मेरी टेनिस ट्रेनिंग पर लगभग 30 हजार स्विस फ्रेंक (करीब 24 लाख रुपए) खर्च करते थे। हालांकि, पेरेंट्स को मेरी योग्यता पर विश्वास नहीं था। उन्हें लगता था कि मेरा प्रोफेशनल टेनिस खिलाड़ी बनना मुश्किल है।'' फेडरर ने कहा, ''जब मैं 16 साल का था, तब मैंने पेरेंट्स से कहा था कि यदि मैं स्कूल छोड़ता हूं तो अपने खेल टेनिस पर 100त्न ध्यान दे पाउंगा। तब मेरे पिता ने मुझे सफलता के लिए 2 साल का वक्त दिया था।

कपिल देव और मुरली कार्तिक ने चैरिटी गोल्फ में लिया हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना के कारण इस साल के हीरो इंडियन ओपन पुरुष और महिला गोल्फ टूर्नामेंट रद्द कर दिए गए हैं लेकिन पुनरुद्धार किए गए दिल्ली गोल्फ क्लब में शनिवार को आयोजित एक चैरिटी मैच में एशियन टूर में सबसे अधिक खिताब जीतने वाले भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर और 2018 के एशियन टूर ऑर्डर ऑफ मेरिट के विजेता शुभंकर शर्मा, पूर्व क्रिकेटर कपिल देव और मुरली कार्तिक ने हिस्सा लिया। वैश्विक महामारी कोविड-19 के राहत कार्यों के लिए चंदा जुटाने के मकसद से चैंपियन फॉर ए कॉज-चैरिटी गोल्फ मैच का आयोजन किया गया जिसमें शुभंकर, गगनजीत, कपिल और मुरली ने हिस्सा लिया। गगनजीत भुल्लर ने पार 72 के कोर्स में 70 का स्कोर किया जबकि उनके पार्टनर कपिल ने 76 का स्कोर किया। शुभंकर शर्मा ने 73 का स्कोर किया और उनके साथी कार्तिक ने 76 का स्कोर किया। इस अवसर पर शुभंकर ने कहा, 'लंबे ब्रेक के बाद चैंपियनशिप कोर्स में खेलना वास्तव में अच्छा अनुभव रहा। हम शांत ढंग से खेले और मैं डीजीसी और पूरी टीम को बधाई देता हूं। अब आने वाले महीनों में टॉप खिलाड़ियों के साथ कुछ बड़े टूर्नामेंट की उम्मीद है। गगनजीत ने कहा, 'अगर आपके सामने विश्व गोल्फ के युवा प्रतिभागी शुभंकर और क्रिकेट दिग्गज कपिल पाजी खेल रहे हों तो यह उतना आसान नहीं होता। युवा प्रतिभागी शुभंकर और क्रिकेट दिग्गज कपिल पाजी खेल रहे हों तो यह उतना आसान नहीं होता। मैं मुरली कार्तिक का गोल्फ कौशल देखकर आश्चर्यचकित हूं। यह एक अच्छा अनुभव रहा और हम खिलाड़ी इस महान यह एक अच्छा अनुभव रहा और हम खिलाड़ी इस महान कार्य में अपना योगदान देकर खुश हैं। इस तरह खिलाड़ियों ने यह चैरिटी मैच खेलकर कोविड-19 राहत कार्यों के लिए 45 लाख 62 हजार रुपए की धनराशि जुटाई। कोविड -19 के कारण लगे देशव्यापी लॉकडाउन में खेला गया यह पहला घरेलू खेल टूर्नामेंट था। यूरोस्पोट'18 जुलाई को रात 9.30 बजे इसका प्रसारण करेगा।

सीरी ए चैंपियनशिप: रोनाल्डो के पेनल्टी गोलों ने जुवेंटस को दिलाया ड्रा

तूरिन । करिश्माई स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के पेनल्टी पर किए गए दो गोलों की मदद से जुवेंटस ने सीरी ए फुटबॉल चैंपियनशिप में शनिवार को अटलांटा के खिलाफ मुकाबला 2-2 से ड्रा करा लिया। जुवेंटस को दोनों पेनल्टी हैंडबॉल के कारण मिली। रोनाल्डो ने दोनों पेनल्टी को गोल में बदलकर अपनी टीम को बराबरी दिलाई जिसके बाद जुवेंटस लगातार नौवीं बार सीरी ए खिताब जीतने की तरफ अग्रसर हो गया है। पुर्तगाल के रोनाल्डो ने इन दोनों गोलों से इस सत्र में उनके गोलों की संख्या 28 पहुंच गई है और जुवेंटस अंक तालिका में दूसरे स्थान के लाजियो से आठ अंक आगे हो गया है जबकि अभी छह मैच खेले जाने बाकी हैं। अटलांटा तीसरे स्थान पर है। बॉक्स के अंदर दोनों हैंडबॉल जानबूझकर नहीं थे लेकिन नियमों के तहत पेनल्टी दी गयी और जुवेंटस ने दो बार पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मैच ड्रा करा लिया।

राजस्थान में खतरे की आहट, दिल्ली तक पहुंची गहलोत-पायलट के बीच की लड़ाई

नेशनल डेस्क(एजेंसी)। एक बार फिर कांग्रेस पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। मध्य प्रदेश में सरकार गंवाने के बाद अब राजस्थान में भी कुछ ठीक नहीं चल रहा है। सीएम अशोक गहलात और डिप्टी सीएम सचिन पायलट के के बीच चल रहे मनमुटाव को लेकर वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल चिंतित हैं। सिब्बल ने इस संकट से तुरंत निपटने की अपील करते हुए कहा कि पार्टी नेतृत्व कब जागेगा। कपिल सिब्बल ने अपने ट्वीट में लिखा कि अपनी पार्टी के लिए चिंतित हूं, क्या घोड़ों के अस्तबल से निकलने के बाद ही हम जागेंगे? हालांकि सिब्बल ने इस ट्वीट में किसी का जिक्र तो नहीं किया लेकिन यह कहीं ना कही राजस्थान में चल रहे सियासी संकट की और इशारा कर रहा है। खबरों की मानें तो गहलोत से नाराज चल रहे सचिन पायलट 10-12 कांग्रेस और निर्दलीय विधायकों के साथ दिल्ली में डेरा जमाए बैठे हैं। वह जल्द ही कांग्रेस आलाकमान सोनिया गांधी से मुलाकात करेंगे। दरअसल राजस्थान कांग्रेस संकट में घिरी हुई है। उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट और उनके समर्थक विधायकों के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से रिश्ते अच्छे नहीं हैं। दोनों शीर्ष नेताओं के बीच तकरार की वजह राज्य की पुलिस द्वारा विधायकों की खरीद-फरोख्त मामले की जांच का आदेश देना और पायलट को नोटिस भेजना है, जिसे लेकर पायलट नाराज हैं। सूत्रों के अनुसार राजस्थान पुलिस ने गहलोत और पायलट को भी नोटिसजारी कर कांग्रेस सरकार गिराने की कथित कोशिशों के संबंध में बयान दर्ज कराने के लिये कहा है। जारी कर कांग्रेस सरकार गिराने की कथित कोशिशों के संबंध में बयान दर्ज कराने के लिये कहा है। सचिन पायलट राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष और राज्य के उपमुख्यमंत्री है। राजस्थान में दिसंबर 2018 में कांग्रेस के सत्ता में आने से पहले ही गहलोत और पायलट के बीच तकरार शुरू हो गई थी।गहलोत को मुख्यमंत्री सौंपने के बाद यह विवाद और बढ़ गया। गहलोत और पायलट के बीच सत्ता संतुलन बिठाने के लिए सचिन पायलट को राजस्थान कांग्रेस का अध्यक्ष बना दिया गया। हालांकि इसके बावजूद भी उनकी नाराजगी कम नहीं हुई।

पाकिस्तान ने मुंबई हमले के मास्टरमाइंड आंतकी हाफिज व साथियों के बैंक खाते किए बहाल

पेशावर(एजेंसी)। पाकिस्तान ने मुंबई हमले के मास्टरमाइंड आतंकी हाफिज सईद सहित जमात-उद-दावा व लश्कर-ए-तैयबा के 5 नेताओं के सील बैंक खातों को फिर से बहाल कर दिया है। पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंध समिति से औपचारिक हरी झंडी मिलने के बाद यह कदम उठाया है। पाकिस्तान मीडिया के अनुसार जिन लोगों के बैंक खातों को फिर से बहाल किया गया है, उनमें आतंकी हाफिज के अलावा जमात-उद-दावा नेता अब्दुल सलाम भुट्टावी, हाजी एम अशरफ, याह्या मुजाहिद और जफर इकबाल शामिल हैं। हालांकि, ये सभी यूएनएससी के सूचीबद्ध आतंकवादी हैं और वर्तमान में पंजाब काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) द्वारा उनके खिलाफ दायर आतंकी वित्तपोषण मामलों में लाहौर जेल में 1 से 5 साल की सजा काट रहे हैं। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, अपने परिवार के गुजर बसर का हवाला देते हुए एक नेता ने संयुक्त राष्ट्र से अपील की थी कि वह उसके बैंक खातों को फिर से इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाए। इस आतंकवादी संगठन के एक नेता ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि शुरू में हम अपील दायर नहीं करना चाहते थे लेकिन हमें इसे दायर करने की सलाह दी गई क्योंकि हमारे नेताओं के लिए अपना घर चलाना मुश्किल हो रहा था। वहीं, बताया गया है कि इन नेताओं ने पाकिस्तान सरकार से अपने अनुरोध में अपनी वित्तीय आय और कमाई के स्रोतों के बारे में भी बताया था। उसी को उनके बैंक खाता नंबर और अन्य संबंधित विवरणों के साथ यूएनएससी को भेज दिया गया।

बुलेट ट्रेन परियोजना: रेल मंत्री ने कोरोना महामारी के बाद 'खर्च में किफायत दिया का संकेत

नई दिल्ली। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को संकेत दिया कि मुंबई और अहमदाबाद के बीच महत्वाकांक्षी बुलेट ट्रेन परियोजना के वित्तीय पहलू की समीक्षा की जा रही है क्योंकि कोविड महामारी के बाद 'खर्च में किफायत बरतनी होगी। उन्होंने इंडिया ग्लोबल वीक में कहा कि रेलवे ''इन परियोजनाओं के लिए प्रतिबद्ध है और ''हम इसके लिए योजनाओं और लागत को अंतिम रूप देने के स्तर पर हैं। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से कोविड-19 ने बुलेट ट्रेन के संबंध में हमारी महत्वाकांक्षाओं को थोड़ा सा प्रभावित किया है और हम कोविड के बाद की दुनिया में परियोजनाओं पर फिर से विचार कर रहे हैं और इसमें लागत में कटौती शामिल है। सूत्रों ने बताया कि परियोजना की लागत को कम करने के लिए भारत की उच्चस्तरीय इंजीनियरिंग कौशल वाली कंपनियों की मदद लेने के बारे में जापान के साथ बातचीत चल रही है। गोयल ने आगे कहा कि सरकार खनन, बैंकिंग और पूंजी बाजार जैसे विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए नए नीतिगत सुधारों पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार घरेलू मंजूरी और नौकरशाही प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर विचार कर रही है ताकि उद्योग के लिए कामकाज करना आसान हो सके।

असम में बाढ़ से 6 लाख से अधिक लोग प्रभावित, अब तक जान गंवाने वालों का आंकड़ा हुआ 66

गुवाहाटी। असम के 20 जिले बाढ़ की चपेट में आ गए हैं जिससे राज्य में 6.02 लाख लोग प्रभावित हुए हैं एवं दो और व्यक्तियों की जान चली गई है। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने यह जानकारी दी। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने एक बुलेटिन में बताया कि कोकराझार में एक व्यक्ति की और धुबरी में एक व्यक्ति की मौत हो गई फलस्वरूप बाढ़ के चलते जान गंवाने वालों की संख्या 66 हो गई है। प्राधिकरण के अनुसार बाढ़ की सबसे अधिक मार धेमाजी जिले पर पड़ी है, उसके बाद बारपेटा और लखीमपुर हैं। बाढ़ से प्रभावित अन्य जिले चराईदेव, विश्वनाथ, बक्सा, नलबारी,चिरांग, बोंगाईगांव, कोकराझार, ग्वालपारा, मोरीगांव, नगांव, गोलाघाट और तिनसुकिया हैं। राज्य में 1,109 गांव जलमग्न हो गये हैं और 46,082 हेक्टेयर क्षेत्र में फसल डूब गयी है। ब्रह्मपुत्र कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

नोटबंदी के 4 साल बाद जीवनभर की कमाई लेकर बैंक पहुंचा ब्लाइंड कपल, अधिकारियों की बात सुन रह गया हैरान

नेशनल डेस्क(एजेंसी)। तमिलनाडु के इरोड जिले में अगरबत्ती बेचने वाले दृष्टिबाधित पति-पत्नी उस समय स्तब्ध रह गए जब उन्हें पता चला कि उन्होंने मेहनत की कमाई से जो 24 हजार रुपए बचाए थे, वे 1000 और 500 रुपए के चलन से बाहर हो चुके नोटों में है, जिन्हें लगभग चार साल पहले बंद किया जा चुका है। सुदूर पोठिया मूपानूर गांव के निवासी सोमू (58) ने दावा किया कि उन्हें नवंबर 2016 में हुई नोटबंदी के बारे में शुक्रवार को पता चला जब वह अपनी और अपनी पत्नी पलानीअम्मल की बचत की रकम बैंक में जमा कराने गए। उन्होंने शनिवार को पत्रकारों से कहा कि छ्थ1द्बस्र-19 के चलते बीते चार महीने से कोई कमाई नहीं हो पा रही थी, तो उन्होंने अपनी निरक्षर मां के पास रखी अपनी बचत निकाली। सोमू इस राशि को जमा कराने बैंक ले गए, जहां अधिकारियों ने उन्हें बताया कि ये नोट काफी पहले बंद हो चुके हैं। सोमू ने कहा कि उन्होंने और उनकी पत्नी ने नजदीकी अंथियूर और आसापास के इलाकों में दस साल से अधिक समय तक अगरबत्तियां तथा कपूर बेचकर यह बचत की थी। उन्होंने कहा कि हर हफ्ते वह अपने साथ रह रही अपनी मां को कुछ पैसा दिया करते थे, जिसे वह अपने पास सुरक्षित रख लिया करती थी। वह नियमित अंतराल पर इसे 500 या 1000 के नोटों में बदलवा लेते थे। सोमू ने कहा कि हम तीनों लोगों को पता ही नहीं था कि 1000 और 500 के ये नोट बंद हो चुके हैं। सोमू ने कहा कि उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पलनीस्वामी को ज्ञापन भेजकर

उनसे मदद का अनुरोध किया है। पुलिस ने इस मामले की जांच करने की बात कही है। इससे पहले, नजदीकी तिरुपुर जिले से भी पिछले साल ऐसा ही मामला सामने आया था, जहां दो बुजुर्ग बहनों को पता चला था कि उनकी 46 हजार रुपए की जीवनभर की बचत 1000 और 500 के चलन से बाहर हो चुके नोटों में है।

दिल्ली में मानसून होगा मेहरबान, इन राज्यों में आफत बनकर बरसेगी बारिश

नेशनल डेस्क(एजेंसी)। उत्तर भारत के अधिकतर राज्यों में मॉनसून दस्तक दे चुका है, जिससे लोग राहत की सांस ले रेह हैं। हालांकि कई जगह उमस भरी गर्मी ने जीना मुहाल किया हुआ है। इसी बीच मौसम विभाग ने उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। निजी मौसम पूर्वानुमान संस्था स्काईमेट के अनुसार असम, मेघालय, हिमाचल प्रदेश और तटीय कर्नाटक में अगले 24 घंटों में मध्यम बारिश हो सकती है। पूरे उत्तरी और पूर्वी भारत में भारी वर्षा के कारण कई दुर्घटनाएं और भूस्खलन हुए हैं। उत्तर प्रदेश में शनिवार को सुल्तानपुर जिले में दीवार गिरने की अलग-अलग घटनाओं में दो महिलाओं की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। अरुणाचल प्रदेश में पिछले पांच दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण भूस्खलन की कई घटनाएं हुई और राज्य के कई हिस्सों में बाढ़ की समस्या खड़ी हो गई। भारी बारिश के चलते कई सड़कों और घरों को नुकसान पहुँचा और निचले इलाकों में बाढ़ आ गई। वहीं देश की राजधानी की बात करें तो यहां सुबह आसमान में बादल छाए रहे और अगले कुछ घंटों में हल्की तथा मध्यम स्तर की बारिश होने के साथ ही तेज हवाएं चलने का अनुमान जताया गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के क्षेत्रीय पूर्वानुमान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि अगले दो घंटों में दिल्ली, फरीदाबाद, गुरुग्राम, मेरठ, रोहतक, गाजियाबाद, नोएडा और ग्रेटर नोएडा में हल्की से मध्यम बारिश होगी।

भारत में थम नहीं रही कोरोना की रफ्तार, 8.5 लाख के करीब पहुंचे मामले

नेशनल डेस्क(एजेंसी)। देश में रविवार को कोविड-19 के रिकॉर्ड 28,637 मामले सामने आने के बाद संक्रमण के कुल मामले 8,49,553 हो गए हैं। वहीं, एक दिन में बीमारी से 551 लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या 22,674 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या 5,34,620 हो गई है जबकि देश में 2,92,258 लोग अब भी संक्रमण की चपेट में हैं। अधिकारियों ने कहा कि अब तक करीब 62.93 प्रतिशत मरीज स्वस्थ हुए हैं। संक्रमण के कुल मामलों में विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। यह लगातार तीसरा दिन है जब देश में कोविड-19 के मामले 26,000 से ज्यादा सामने आए हैं। पिछले 24 घंटों में जिन 551 लोगों की मौत हुई हैं, उनमें 223 महाराष्ट्र से, 70 कर्नाटक से, 69 तमिलनाडु से, 34 दिल्ली से, 26 पश्चिम बंगाल से, 24 उत्तर प्रदेश से, 17 आंध्र प्रदेश से, 12 बिहार से, 10-10 गुजरात और जम्मू-कश्मीर से, नौ तेलंगाना

से, आठ-आठ असम और पंजाब से तथा सात हरियाणा से हैं। मध्य प्रदेश और राजस्थान में छह-छह लोगों की मौत हुई है। इसके बाद ओडिशा में पांच, गोवा में तीन, केरल में दो और पुडुचेरी तथा त्रिपुरा में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है।

स्पाइसजेट 12 से 26 जुलाई के बीच यूएई के लिए विशेष उड़ानों का परिचालन करेगी

नई दिल्ली(एजेंसी)। विमानन कंपनी स्पाइस जेट 12 से 26 जुलाई 2020 के बीच भारत के चार शहरों से दुबई के लिए विशेष उड़ानों का परिचालन करेगी। स्पाइस जेट ने एक बयान में बताया कि वह दिल्ली, मुंबई, कोझीकोड और कोच्चि से यूएई के लिए उड़ानें संचालित करेगी। स्पाइसजेट की मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी शिल्पा भाटिया ने कहा, ''हम संयुक्त अरब अमीरात के लिए अगले 15 दिनों में अनुसूचित उड़ानों का परिचालन करेंगे और हमें उम्मीद है कि जो लोग बहुत लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं वे इस अवसर का लाभ उठाएंगे। विमानन कंपनी ने बताया कि उसने यूएई, सऊदी अरब, ओमान और कतर से पिछले 45 दिनों में विशेष उड़ानों का परिचालन करके और वंदे भारत मिशन में भाग लेकर 45,000 से अधिक लोगों को वापस लाने में मदद की है। इससे पहले नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने नौ जुलाई को कहा थाकि भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने दोनों देशों के बीच 12 जुलाई से 26 जुलाई तक परिचालित होने वाली उनकी चार्टर उड़ानों को दोनों ओर से पात्र यात्रियों को ले जाने की अनुमति देने पर सहमति जतायी है। कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने दोनों देशों के बीच 12 जुलाई से 26 जुलाई तक परिचालित होने वाली उनकी चार्टर उड़ानों को दोनों ओर से पात्र यात्रियों को ले जाने की अनुमति देने पर सहमति जतायी है। मंत्रालय ने कहा कि संयुक्त अरब देने पर सहमति जतायी है। मंत्रालय ने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात के विमानों द्वारा संचालित चार्टर उड़ानों को अब भारतीय नागरिकों को संयुक्त अरब अमीरात से भारत लाने और आईसीए-अनुमोदित यूएई निवासियों को ले जाने की अनुमति होगी। आईसीए का तात्पर्य यूएई फेडरल अथॉरिटी फॉर आइडेंटिटी एंड सिटिजनशिप से है।

संयुक्त अरब अमीरात के वैध निवास परमिट वाले यात्री को उस देश में प्रवेश करने के वास्ते कोई उड़ान लेने से पहले आईसीए की मंजूरी लेनी होगी।

गुजरात में कोरोना गाइडलाइन-दुकान खोलते समय गाना होगा वंदे मातरम, बंद करते वक्त जन गण मन

नेशनल डेस्क। गुजरात में सूरत नगर निगम ने कोरोना वायरस को लेकर खास गाइडलाइन जारी की है। एसएमसी ने कपड़ा व्यापारियों से कहा कि वो अपनी दुकानें खोलते समय वंदे मातरम् गाएं और दुकानें बंद करते समय राष्ट्रगान यानी जन मन गण का गाएं। नगर निगम ने शहर में कपड़ा बाजारों को खोलने के लिए शनिवार को गाइडलाइन जारी की और इन निर्देशों के बारे मं बताया। नगर निगम ने दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि कर्मचारी और मजदूर प्रेरक नारे जैसे 'कोरोना हारेगा, सूरत जीतेगा' और' एक लक्ष्य हमारा है कोरोना को हराना है' जरूर लगाएं और इस अपने अभ्यास में शामिल कर लें। नगर निगम ने दुकानदारों को इन दिशा-निर्देशों का पालन करने की प्रतिज्ञा लेने को भी कहा। सूरत के नगर आयुक्त बी एन पानी ने कहा कि दुकानें खोलते समय वंदे मातरम गाना और दुकानें बंद करते समय जन गण मन राष्ट्र के साथ अपने जुड़ाव और महामारी के खिलाफ एक युद्ध घोष होगा। सूरत में 170 से अधिक कपड़ा व्यापार बाजार हैं जिनमें 65,000 से ज्यादा दुकानें हैं। नगर निगम के निर्देशों के तहत कपड़ा दुकानें सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक ऑड-ईवन आधार पर खुलेंगी। महाराष्ट्र, दिल्ली और तमिलनाडु की तरह गुजरात में भी कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

बुंदेलखंड में कांग्रेस को लगेंगे और झटके ! तीन और विधायक बीजेपी के संपर्क में- सूत्र

छतरपुर। मध्य प्रदेश में कांग्रेस को एक के बाद एक कई झटके लग रहे हैं। पहले 22 विधायकों ने कांग्रेस का दामन छोड़ा, फिर बड़ा मलहरा सीट से विधायक प्रद्युमन सिंह लोधी बीजेपी में शामिल हो गए। इसके साथ ही एक अब एक नाम और सामने आ रहा है, कि छतरपुर जिले से एक और कांग्रेस के युवा विधायक का नाम उभरकर सामने आ रहा है। जानकारी के मुताबिक यह युवा विधायक सिंधिये खेमे के बताये जाते हैं और सिंधिया की कृपा से ही उन्हें विधानसभा की टिकिट भी मिली थी और जीते भी थे। वहीं जब प्रदेश में कमलनाथ सरकार गिरी थी, तब भी इनका नाम कांग्रेस छोड़ने वाले विधायकों की लिस्ट में शामिल था। चूंकि कांग्रेस ने हर 10 विधायकों पर 1 मंत्री को निगरानी के लिए रखा, शायद इसलिए तब वो कांग्रेस को नहीं छोड़ पाए थे। फिलहाल अटकलें काफी तेज़ हैं कि जल्दी ही यह कांग्रेस को गुड बॉय बोलकर बीजेपी में प्रवेश कर सकते हैं। बता दें कि वर्तमान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.डी. शर्मा छतरपुर जिले के खजुराहो लोकसभा से सांसद भी हैं और इस लिहाज से वीडी शर्मा की जिले के कांग्रेस विधायकों पर पैनी नजर है और वह अपनी धार में इन्हें उतार लेंगे। अटकलें लगाई जा रहीं हैं कि आगामी विधानसभा चुनाव में वीडी शर्मा अपने संसदीय क्षेत्र खजुराहो की राजनगर विधानसभा से प्रत्यासी हो सकते हैं और इसके पहले वह जिले से कांग्रेस का सफाया करने में लगे हुए हैं।

कश्मीर के बारामूला में मुठभेड़ में 1 आतंकी ढेर, सुरक्षा बलों का सर्च ऑपरेशन जारी

नेशनल डेस्क। जम्मू कश्मीर में बारामूला जिले के सोपोर इलाके में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में रविवार को एक अज्ञात आतंकवादी मारा गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सोपोर शहर के रेबन इलाके में मध्यरात्रि के आसपास घेराबंदी की और तलाश अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि तलाश अभियान रविवार तड़के करीब चार बजे उस समय मुठभेड़ में तब्दील हो गया जब वहां छिपे आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलानी शुरू कर दी और सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया।

कोरोना पर सबसे असरदार दवा और सस्ती भी!

नेशनल डेस्क। कोरोनावायरस का कहर अब भी जारी है। 6 महीने से ऊपर का वक्त गुजर चुका है मगर बीमारी का तोड़ अभी भी हाथ नहीं लग पाया हैं। दुनियाभर में अब तक डेढ़ करोड़ लोग इस महामारी की चपेट में आ चुके हैं जिनमें से 73 लाख से ज्यादा ठीक भी हो चुके हैं। दुनियाभर में अब तक 5.5 लाख से ज्यादा लोगों की मौत भी हो चुकी है जिससे साइंटिस्ट्स और डॉक्टर्स जल्ज से जल्द इसका तोड़ और इलाज खोजने में दिन रात एक कर रहे हैं। लगभग 13 ऐसी वैक्सीन्स हैं जो अंतिम चरण के ट्रायल पर हैं। ऐसे में एक्सपर्ट्स ने जो एक सबसे असरदार और सस्ती दवा सुझाई है।

पैंगोंग सो क्षेत्र में चीनी सेना की मौजूदगी में और कमी : सूत्र

नई दिल्ली। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारतीय और चीनी सेनाओं के पूरी तरह पीछे हटने की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से लेफ्टिनेंट जनरल स्तर की एक और दौर की बातचीत से पहले चीनी सेना ने फिंगर चार पर अपनी मौजूदगी और कम की है और पैंगोंग झील से कुछ नावों को हटा लिया है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने शनिवार को यह बताया। पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग सो पर पांच मई को दोनों सेनाओं के बीच हिंसक झड़प हुई थी जिसके बाद तनाव बढ़ गया था। सैन्य स्तरीय बातचीत में उम्मीद है कि दोनों पक्ष विशेष रूप से पैंगोंग सो और देपसांग से सेनाओं को हटाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। इसके अलावा उम्मीद जताई जा रही है कि समयबद्ध तरीके से दोनों पक्षों की सेनाएं पीछे हटेंगी। दोनों पक्षों ने पूर्वी लद्दाख में भारी मात्रा में तोपखाने और टैंक समेत सैनिकों की तैनाती की है। रविवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी की फोन पर लगभग दो घंटे हुई बातचीत के बाद पीछे हटने की औपचारिक प्रक्रिया सोमवार की सुबह शुरू हुई। सूत्रों के अनुसार पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पीछे हटने की प्रक्रिया के प्रथम चरण में चीनी सेना ने गलवान घाटी, गोगरा और हॉट स्प्रिंग्स में गतिरोध के बिंदुओं से पीछे हटने का काम पहले ही पूरा कर लिया है। मुख्य रूप से अब पैंगोंग सो पर ध्यान केंद्रित है। भारत इस बात पर जोर देता रहा है कि चीन को फिंगर चार और आठ से अपनी सेनाएं हटानी होंगी। क्षेत्र के पहाड़ों को फिंगर कहा जाता है। सूत्रों ने बताया कि फिंगर चार से चीनी सेना ने अपने और सैनिकों को वापस बुला लिया है और उन्होंने पैंगोंग झील से कुछ नाव हटा ली हैं। शुक्रवार को भारत और चीन ने राजनयिक स्तर की एक और दौर की बातचीत की थी जिसमें दोनों पक्षों ने शांति कायम करने के लिए उन्होंने पैंगोंग झील से कुछ नाव हटा ली हैं। शुक्रवार को भारत और चीन ने राजनयिक स्तर की एक और दौर की बातचीत की थी जिसमें दोनों पक्षों ने शांति कायम करने के लिए समयबद्ध तरीके से पूर्वी लद्दाख में पूरी तरह से सेनाओं को पीछे हटाने का संकल्प लिया था। बातचीत में यह निर्णय लिया गया कि दोनों सेनाओं के वरिष्ठ कमांडर बातचीत में यह निर्णय लिया गया कि दोनों सेनाओं के वरिष्ठ कमांडर तनाव कम करने के वास्ते अगला कदम उठाने के लिए जल्दी ही पुनः बैठक करेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका ने चीन में रह रहे अपने नागरिकों के लिए जारी किया अलर्ट

इंटरनेशनल डेस्क (एजेंसी)। कोरोना वायरस और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चीन के रवैये के चलते कई देश उसके खिलाफ हैं। खासकर अमेरिका और चीन के बीच कोरोना वायरस, हांगकांग, उइगर मुस्लिमों और साउथ चाइना सी को लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है । चीन के आक्रमक रवैये के चलते अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन में रह रहे अपने नागरिकों के लिए अलर्ट जारी करते हुए सावधान रहने को कहा है। ट्रंप का कहना है कि चीन में अमेरिकी लोगों को बेवजह हिरासत में लिए जाने का खतरा बढ़ गया है। स्टेट डिपार्टमेंट ने शनिवार को यह अलर्ट जारी किया है लेकिन यह नहीं बताया है किस वजह से ऐसा किया गया है। स्टेट डिपार्टमेंट के अलर्ट में कहा गया है कि स्टेट सिक्यॉरिटी को लेकर अमेरिका के नागरिकों से लंबी पूछताछ की जा सकती है और उन्हें हिरासत में रखा जा सकता है। इसमें बिना किसी घटना का जिक्र किया कहा गया है, सुरक्षा अधिकारी चीनी सरकार की आलोचना वाले प्राइवेट इलेक्ट्रॉनिक मेसेज भेजने पर अमेरिका के नागरिकों को हिरासत में ले सकते हैं या डिपोर्ट कर सकते हैं। इससे पहले शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि पिछले कुछ महीने में दोनों देशों के बीच संबंध बुरी तरह से खराब हो गए थे। अमेरिका से पहले ऑस्ट्रेलिया और कनाडा ने भी हिरासत में लिए जाने की आशंका जताते हुए ट्रैवल अलर्ट जारी किया है। कुछ दिन पहले ही वॉशिंगटन ने चीन के उन अधिकारियों के वीजा पर बैन लगा दिया था जिन्होंने तिब्बत में विदेशों को जाने से रोका था। इसके जवाब में चीन ने ऐसे अमेरिकी नागरिकों की एंट्री पर रोक लगा दी थी जो तिब्बत के मुद्दों पर हैरानी भरा बर्ताव कर रहे थे।

ऑस्ट्रेलिया का चीन को झटका, हांगकांग के 10 हजार लोगों के लिए दिया बड़ा ऑफर

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया हांगकांग मुद्दे पर चीन को झटका देते हुए बड़े ऑफर का ऐलान किया है। सरकार ने कहा है कि वह यहां रह रहे हांगकांग के कम से कम 10,000 नागरिकों का वर्तमान वीजा समाप्त होने के पश्चात उन्हें स्थाई निवास के लिए आवेदन करने का एक मौका देगा। देश के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन की सरकार का मानना है कि अर्द्धस्वायत्त क्षेत्र हांगकांग में नए कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू करने का तात्पर्य है कि लोकतंत्र समर्थकों को राजनीतिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ सकता है। कार्यवाहक आव्रजन मंत्री एलन टुडगे ने 'ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन' टेलीविजन से रविवार को कहा,''इसका अर्थ है कि हांगकांग पासपोर्ट वाले कई लोग अन्य जगहों पर जाने के लिए स्थान तलाश करेंगे और इसी लिए हमने अपना अतिरिक्त वीजा विकल्प उनके सामने रखा है।''उन्होंने कहा कि स्थाई निवास पाने के लिए आवेदकों को ''चरित्र परीक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा परीक्षा और इसी प्रकार की अन्य परीक्षाएं'' उत्तीर्ण करनी होंगी। आव्रजन मंत्री ने कहा,'' तो यह अपने आप नहीं होगा, लेकिन हां, स्थाई निवास के लिए यह आसान रास्ता है और एक बार आप स्थाई निवासी हो गए तो उसके बाद नागरिकता का रास्ता है।'' उन्होंने कहा,''अगर वास्तव में लोगों का उत्पीड़न हो रहा है तो इसे साबित करके हमारे मानवतावादी वीजाओं में से एक के लिए आवेदन दिया जा सकता है।'' मॉरिसन ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि ऑस्ट्रेलिया ने हांगकांग के साथ अपनी प्रत्यर्पण संधि समाप्त कर दी है और हांगकांग के नागरिकों का वीजा दो से बढ़ा कर पांच वर्ष कर दिया गया है। हांगकांग के नागरिकों का वीजा दो से बढ़ा कर पांच वर्ष कर दिया गया है। हांगकांग के नागरिकों का वीजा दो से बढ़ा कर पांच वर्ष कर दिया गया है। इस पर चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि कैनबरा के इस कदम पर ''आगे की कार्रवाई'' के लिए उसके अधिकार सुरक्षित हैं।

पहली बार मास्क पहने दिखे ट्रंप, बोले- मैं कभी इसके खिलाफ नहीं था

इंटरनेशनल डेस्क (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप देश में कोरोना वायरस के प्रकोप के दौरान शनिवार को सैन्य अस्पताल के दौरे पर पहली बार मास्क पहने दिखाई दिए। ट्रंप मेरीलैंड में वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर जहां घायल सैनिकों और कोरोना वायसर के संपर्क मे आए चिकित्साकर्मियों का इलाज किया जा रहा है के दौरे पर संवाददाताओं से कहा कि मैं मास्क लगाऊंगा। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि जब आप खास तौर पर एक अस्पताल में जा रहे होते हैं, जहां आपको बहुत सारे सैनिकों से बात करनी होती हैं, वहां कुछ मामलों मेंलोग ऑपरेशन टेबल से उतर गए होते है। लोग ऑपरेशन टेबल से उतर गए होते है। ट्रंप ने कहा कि मैं सोचता हूं मास्क पहनना बहुत अच्छी बात है। मैं कभी भी मास्क के खिलाफ नहीं हूं लेकिन मेरा मानना है कि उनके लिए समय और जगह होती है। रिपब्लिकन सांसदों ने भी महामारी पर अंकुश लगाने के लिए ट्रंप को सार्वजनिक तौर ऐसा करने की सलाह दी है।

ब्लूमबर्ग न्यूज के अनुसार अमेरिका में शनिवार को रिकार्ड 71,389 मामले सामने आए। जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय आंकड़ों के अनुसार देश में शनिवार दोपहर तक संक्रमितों की संख्या 3,240,000 के करीब पहुंच गई है और अब तक 134,000 लोगों की बीमारी से मौत हो चुकी है।

चीन व पापुआ न्यू गिनी में भूकंप के तेज झटके

बीजिंग (एजेंसी)। चीन के उत्तर-पूर्वी शहर तंगशान में रविवार को 5.1 तीव्रता का भूकंप आया। हालांकि, इसमें किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। आधिकारिक समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ ने खबर दी कि भूकंप की वजह से बीजिंग से 160 किलोमीटर दूर स्थित तंगशान जाने वाली रेल सेवाओं पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी गई है और नुकसान की आशंका से पटरियों का निरीक्षण किया जा रहा है। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र ने बताया कि भूकंप सुबह छह बजकर 38 मिनट पर आया जो 10 किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था। इसके बाद सात बजकर दो मिनट पर 2.2 तीव्रता का भूकंप का दूसरा झटका आया। इतिहास की सबसे भीषण प्राकृतिक आपदाओं में से एक में, तंगशान में 1976 में आए भूकंप ने कम से कम 2,42,000 लोगों की जान ले ली थी। चीनी भूकंप नेटवर्ट केन्द्र (सीईएनसी) के अनुसार भूकंप का केन्द्र 30.74 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 104.46 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 21 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। भूकंप प्रभावित क्षेत्र के लिए कुल 150 राहतकर्मी और 34 वाहन भेजे गए हैं। जिनतांग काउंटी के निवासी जेहांग शुन ने शिन्हुआ को बताया कि भूकंप के झटके 10 से ज्यादा सेकेंड के लिए महसूस हुए । शिचुआन प्रांत की राजधानी के चेंगदू शहरी इलाके में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। यह स्थान भूकंप के केन्द्र से 38 किलोमीटर दूर है। एक स्थानीय निवासी ने बताया कि भूकंप के बाद बहुत से लोग घरों के बाहर ही रहे और चेहरों पर मास्क लगाए हुए थे।

कुछ लोगों ने सड़क पर कार के अंदर रजाई ओढ़ कर रात बिताई। इसके अलावा पापुआ न्यू गिनी द्वीप समूह के पंगुना से 161 किलोमीटर उत्तर पश्चिम में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने कहा कि रिक्टर पैमाने में भूकंप की तीव्रता 5.4 मापी गई है। सर्वेक्षण के अनुसार भूकंप का केन्द्र 5.5776 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 154.229 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 169.72 किलोमीटर की गहराई में स्थित था।

संक्षिप्त समाचार

फेस मॉस्क और ग्लव्स समुद्री जीवों के लिए बने बड़ा खतरा

इंटरनेशनल डेस्क। कोरोना वायरस महामारी को रोकने का सबसे बड़े रक्षा कवच माने जा रहे फेसमास्क, ग्लव्स समुद्री जीवों के लिए खतरा बने हुए हैं। इंसानों की लापरवाही के चलते फेसमास्क, ग्लव्स और पीपीई किट समुद्र को जहरीला बनाने का जरिया बन गए हैं। हर माह अरबों की संख्या में फेसमॉस्क और ग्लब्स समुद्र में फेंके जा रहे हैं, जो जलीय जंतुओं के लिए जानलेवा हो गए हैं। ओशियन-एशिया संस्था का कहना है कि मेडिकल कचरे से करोड़ों जलीय जीवों की मौत हो सकती है। ओशियन-एशिया संस्था ने हांगकांग, तुर्की, फ्रांस और ब्रिटेन के समुद्री तटों में कचरे पर किए सर्वे के बाद बताया कि तटों से सौ मीटर की दूरी तक फैला कई टन कोरोना मेडिकल कचरा जीवों के लिए खतरा बना हुआ है । जानकारी के अनुसार दुनिया के कुल 215 देश संक्रमण की चपेट में हैं, जहां मॉस्क पहना जा रहा है। एक अनुमान के हिसाब से लोग एक से दिन में दो मास्क इस्तेमाल करते हैं। विश्व आर्थिक मंच की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया का 30 फीसदी कचरा ही सही तरह से निस्तारित हो पा रहा है। बाकी धरती या नदियों, झील और समुद्र में डंप हो रहा है। पर्यावरण संस्थानों ने कपड़े का या जल्दी से नष्ट हो जाने वाले मॉस्क को अनिवार्य बनाने की सलाह दी है। जबकि अस्पतालों से निकला कचरा सीधे संयंत्रों में भेजना अनिवार्य करने की अपील की गई है।

अमेरिका के टेक्सास में गोलीबारी दौरान 2 पुलिस कर्मियों की मौत, हमलावर भी ढेर

वाशिंगटन। अमेरिका के टेक्सास में एक गोलीबारी की घटना दो पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार अधिकारियों का कहना है कि दक्षिण टेक्सास (अमेरिका) के सीमावर्ती शहर में गोलीबारी में दो पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई है । वहीं इस घटना में एक संदिग्ध हमलावर भी घायल हो गया जिसकी बाद में मौत हो गई । अधिकारियों के अनुसार एक संदिग्ध शख्स ने फायरिंग शुरू कर दी। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों के रोकने पर उनपर भी हमला कर दिया।

इराक मे अमेरिका के सैन्य आपूर्ति काफिले पर आतंकवादी हमला

बगदाद। इराक में अमेरिका के एक सैन्य आपूर्ति काफिले पर आतंकवादियों का हमला हुआ है। इराक के रक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सूत्रों ने कहा, ''नजमे क्षेत्र में दीवानिया और अस-सामवा के बीच चार ट्रकों पर हमला किया गया। सूत्रों के अनुसार ये ट्रक इराक में अमेरिका के ठिकानों में से एक बसरा से आपूर्ति कर रहे थे। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों ने आपूर्ति के काफिले के ट्रकों पर हमला किया। आतंकवादियों ने वाहनों को जबर्दस्ती रोका। चालकों को ट्रक से बाहर निकाल कर काफिले के ट्रकों को आग लगा दी। सभी चालक इराकी नागरिक है। उसके बाद उन्हें अज्ञात जगह पर छोड़ दिया गया।

चीन में 5.1 तीव्रता का भूकंप, बीजिंग में महसूस हुए झटके

बीजिंग। चीन के उत्तरी हेबेई प्रांत के तंगशान शहर को रविवार को 5.1 तीव्रता के भूकंप ने हिलाकर रख दिया। हालांकि, इसमें किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। आधिकारिक समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने खबर दी कि बीजिंग समेत आस-पास के अन्य इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र ने बताया कि भूकंप सुबह छह बजकर 38 मिनट पर आया जो गुये जिले में 10 किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था। इसके बाद सात बजकर दो मिनट पर जिले में 2.2 तीव्रता का दूसरा झटका आया। खबर में कहा गया है कि किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। रेल विभाग ने इलाके से गुजरने वाली यात्री रेल सेवा पर रोक लगाने के लिए इतिहास की सबसे भीषण प्राकृतिक आपदाओं में से एक में, तंगशान में 1976 में आए 7.8 तीव्रता के भूकंप ने कम से कम 2,42,000 लोगों की जान ले ली थी।

अफगानिस्तान में सुरक्षाबलों के साथ संघर्ष में 24 तालिबानी ढेर

काबुल। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि देश के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में सुरक्षाबलों के साथ हुए संघर्ष में 24 तालिबानी आतंकवादी मारे गए है। मंत्रालय ने बताया कि सभी संघर्ष शुक्रवार को हुए है। मंत्रालय के अनुसार पूर्वी गजनी प्रांत के अंडार जिले के अबू किला क्षेत्र में अफगान राष्ट्रीय सुरक्षाबलों पर हमले का प्रयास कर रहे आठ आतंकवादी मारे गए है। मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार पड़ोसी लोगर प्रांत में इसी तरह के संघर्ष में आठ आतंकवादी मारे गए और चार घायल हो गए। इसके अलावा तालिबान के आतंकवादियों ने दक्षिणी हेलमंद प्रांत के नाद-ए-अली और संगिन जिलों में सुरक्षा चौकियों पर हमला किया। इस दौरान हुए संघर्ष में संगिन इस दौरान हुए संघर्ष में संगिन इस दौरान हुए संघर्ष में संगिन और नाद-ए-अली में चार-चार आतंकवादी मारे गए और नाद-ए-अली एक अन्य घायल हो गया।

ट्रंप और बाइडेन ने लुइसियाना से प्राइमरी चुनाव जीता

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पूर्व उपराष्ट्रपति जो बाइडेन ने लुइसियाना से प्राइमरी का चुनाव जीत लिया है। इस सीट से प्राइमरी चुनाव पहले दो बार स्थगित हो गया था। इस सीट पर रिपब्लिकन पार्टी के किसी अन्य उम्मीदवार से ट्रंप को कड़ी टक्कर नहीं मिली। वहीं बाइडेन के सामने 13 अन्य डेमोक्रेट्स की चुनौती रही। हालांकि वह पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने के लिए अन्य राज्यों में पर्याप्त प्रतिनिधि जुटा चुके हैं। लुइसियाना देश की आखिरी प्रेसीडेंशियल प्राइमरी में से एक है। यहां पर सबसे पहले चार अप्रैल को चुनाव होना था लेकिन कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण उसे टाल दिया गया।

भारतवंशी वैज्ञानिक अमेरिका के शीर्ष कृषि अनुसंधान संगठन के कार्यवाहक प्रमुख नियुक्त

लास एंजिलिस (एजेंसी)। अमेरिका में एक और भारतवंशी ने भारत का गौरव बठाया हैं। यहां मशहूर भारतीय अमेरिकी वैज्ञानिक डॉ. पराग चिटनीस को प्रतिष्ठित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फूड एंड एग्रीकल्चर का कार्यवाहक निदेशक बनाया गया है। वह डॉ. स्कॉट एंजेल की जगह लेंगे चिटनीस को इस वर्ष की शुरुआत में 'प्रोग्राम्स' का सहायक निदेशक बनाया गया था। उन्होंने हद्धम्न की करीब 1.7 अरब डॉलर की अनुसंधान परियोजनाओं के क्रियान्वयन की अगुवाई की। अमेरिका में सभी संघीय वित्त पोषित कृषि अनुसंधान इसी संस्थान की निगरानी में होते हैं। अमेरिका के कृषि मंत्री सोनी पेरड्यू ने के कार्यवाहक निदेशक के तौर पर चिटनीस के नाम की घोषणा करते हुए कहा, निदेशक कार्यालय को डॉ. चिटनीस के 31 वर्ष से अधिक समय के वैज्ञानिक अनुसंधान और अनुभव का लाभ मिलेगा। डॉ. चिटनीस ने महाराष्ट्र के कोंकण कृषि विश्वविद्यालय से वनस्पति विज्ञान में बीएससी किया है। नई दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान से उन्होंने आनुवांशिक विज्ञान/जीव रसायन में एमएससी किया है। उन्होंने लास एंजिलिस के कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी से जीव विज्ञान में पीएचडी की है। उन्होंने लास एंजिलिस के कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी से जीव विज्ञान में पीएचडी की है।

चीन के सहारे सरकार बचाने में जुटे ओली बोले-पार्टी विवाद नेपाल का आंतरिक मुद्दा

इंटरनेशनल डेस्क (एजेंसी)। नेपाल में चल रहे राजनीतिक भूचाल को चीन की मदद से रोकने की कोशशें जारी हैं। चीन की शह पर भारत विरोधी फैसलों को लेकर अपनी ही पार्टी में घिरे नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने शुक्रवार को अपने इस्तीफे की संभावना को खारिज कर दिया। नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी में इन दिनों ओली अल्पमत में हैं। पुष्प कमल दहल उर्फ प्रचंड सहित सभी बड़े नेता ओली से इस्तीफा मांग रहे हैं। इस बीच नेपाल में चीन की राजदूत हाउ यांकी खुलेआम दखल देकर कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं को एकजुट रखने की कोशिश कर रही हैं। अपने खिलाफ पार्टी में बगावत को दबाने की कोशिश करते हुए ओली ने धैर्य और संयम की जरूरत बताते हुए कहा कि राजनीतिक मुद्दों का फैसला बातचीत के जरिए किया जाएगा। कोरोना को लेकर देश को संबोधित करते हुए ओली ने कहा कि सरकार को लोगों की जिंदगी बचाने के लिए अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए। चीन के हाथों की कठपुतली बने ओली ने यह भी कहा कि पार्टी का विवाद आंतरिक मुद्दा है। ओली का यह बयान ऐसे समय में आया है जब उनकी सरकार बचाने के लिए चीन खुलेआम दखल दे रहा है। ओली ने कहा, %%आंतरिक विवादों या समस्याओं में शामिल होकर कोई लोगों की जिंदगी बचाने के कर्तव्य से नहीं हट सकता है। उन्होने कहा है कि सरकार लोगों को बीमारी और भूख से बचाने में पीछे नहीं हटेगी। दरअसल ओली सरकार कोविड-19 को लेकर इंतजामों में नाकामी को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। ओली ने यह कहते हुए एकता बढ़ाने की अपील की कि मौजूदा राजनीतिक परिस्थिति से स्थिरता को लेकर चिंता बढ़ गई होगी। भारत के साथ सीमा विवाद बढ़ाने वाले ओली ने कहा कि वह राष्ट्रीय आत्मसम्मान को ऊंचा उठाने और देश की संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए मजबूती से खड़े रहेंगे। सत्ताधारी पार्टी में फूट को लेकर उन्होंने कहा कि राजनीतिक मुद्दों ने लोगों का ध्यान जरूर खींचा होगा, लेकिन ये आंतरिक मुद्दे हैं और आंतरिक रूप से ही सुलझा लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि किसी पार्टी में विवाद और चर्चा आंतरिक मुद्दे हैं। ओली ने कहा, महामारी और राष्ट्रीय आपता के समय राजनीतिक मुद्दा उठना नया नहीं है। राजनीतिक दल और नेताओं की जिम्मेदारी मुद्दों को चर्चा के जरिए सुझलाने की होती है। इस तरह की चर्चाएं, सलाह और विरोध पूरी तरह से आंतरिक होते हैं और कई बार बेहद सामान्य। ये मुद्दे पार्टी और नेताओं द्वारा सुलझा लिए जाएंगे।

बौखलाए चीन ने अब थिंक टैंकर्स और शोधकर्ताओं को दी मुकदमे की धमकी

बीजिंग। कई रिपोर्ट्स में चीन की सरकार की तरफ से अल्पसंख्यक समुदायों पर टॉर्चर की बात सामने आने के बाद अब बीजिंग ऐसे शोधकर्ताओं और थिंक टैंक्सर्स के खिलाफ मुकदमा चलाने पर विचार कर रहा है, जो इन खुलासों के पीछे हैं। ग्लोबाल टाइम्स ने यह खबर छापी है कि जर्मनी के शोधकर्ता एड्रियन जेन्ज और एक ऑस्ट्रेलियन स्ट्रैटजिक पॉलिसी इंस्टीट्यूट के थिंक टैंक को ÷चीन के खिलाफ गलत सूचना फैलने को लेकर मुकदमा चलाया जाएगा।÷ हाल में जेन्ज ने अपने रिसर्च में यह खुलासा किया था कि शिनजियाग में अल्पसंख्यक समुदाय की जन्म दर में अचानक आई गिरावट इस बात के संकेत हैं कि जन्म दर को नियंत्रित करने के लिए रणनीति चलाई जा रही है। अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने उईगर्स समुदाय के खिलाफ कड़ी फैमिली प्लानिंग की आलोचना करते हुए कहा कि शिनजियांग में अल्पसंख्यकों के निरंतर दमन से यह जाहिर होता है कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) को मानव जीवन और मानव अधिकार का कोई सम्मान नहीं है। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा, यूनाइटेड स्टेट्स उईगर और अन्य अल्पसंख्यक महिलाओं पर जबरन जनसंख्या नियंत्रण के इस्तेमाल की आलोचना करता है और अपने दमन अभियान को रोकने के लिए चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी से आह्वान करता है। आज हम कैसा कार्य करते हैं उसका न्याय इतिहास न्याय करेगा। पोम्पियो ने कहा, ÷जर्मन शोधकर्ता एड्रियन जेनज के चौंकाने वाले खुलासे दुखद रूप से चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी के उस दमन को दर्शाता जिससे पता चलता है कि मानव जीवन की पवित्रता और बुनियादी मानव गरिमा का उसे कोई आदर नहीं है।

कोरोना की वजह से डेंगू रोकथाम के प्रयास हो रहे प्रभावित

जकार्ता (एजेंसी)। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए सरकारों ने लॉकडाउन लगाए, कई तरह की गतिविधियों पर रोक लगाई और कई तरह के कदम उठाए, हालांकि इन पाबंदियों के चलते डेंगू की रोकथाम के प्रयास प्रभावित हो रहे हैं। सिंगापुर और इंडोनेशिया जैसे दक्षिणपूर्वी एशियाई देशों को इस साल डेंगू के साथ-साथ कोरोना वायरस का भी सामना करना पड़ रहा है। पैन अमेरिकन हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक ब्राजील में जहां कोविड-19 के 16 लाख से अधिक मामले हैं वहीं डेंगू के कम से कम 11 लाख मामले हैं और इसके कारण करीब 400 लोगों की मौत हो चुकी है। बरसात का मौसम शुरू होने के साथ क्यूबा, चिली और कोस्टा रिका जैसे लातिन अमेरिकी देशों और भारत तथा पाकिस्तान जैसे दक्षिण एशियाई देशों में डेंगू के भी मामले बढ़ेंगे। डेंगू यूं तो जानलेवा नहीं होता है लेकिन गंभीर मामलों में मरीज को अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत पड़ती है। इसे रोकने के लिए अब भी एहतियात बरतना ही सर्वश्रेष्ठ कदम है जैसे कि मच्छरों को पनपने से रोकना, कूड़ा-कचरा हटाना और पानी ठहरने नहीं देना। कोरोना वायरस के कारण लगे लॉकडाउन और अन्य पाबंदियों के कारण हालांकि इस दिशा में प्रयास कम हो गए हैं या कई देशों में तो पूरी तरह से रुक गए हैं।यंग डॉक्टर्स एसोसिएशन के प्रमुख डॉ. रिजवान कुंडी ने बताया कि पश्चिमोत्तर पाकिस्तान में पिछले वर्ष जिन स्थानों पर डेंगू का पनपना पाया गया था उन स्थानों को संक्रमणमुक्त करने की योजना ठंडे बस्ते में चली गई क्योंकि इसके लिए ।

रखा गया कोष कोरोना वायरस संबंधी कामों में ले लिया गया। भारत की राजधानी में मच्छर प्रजनन स्थलों को समाप्त करने वाले स्वास्थ्य कार्यकर्ता लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की भी जांच कर रहे हैं। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेडक्रॉस एंड रेड क्रीसेंट सोसायटीज के अमेरिकी क्षेत्रीय कार्यालय में स्वास्थ्य प्रमुख डॉ मारिया फ्रेंका टालारिको ने कहा कि अनेक लातिन अमेरिकी देशों में कोरोना वायरस संक्रमण के हजारों मामलों का पता चलने का मतलब है कि डेंगू पर निगरानी प्रभावित हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के प्रयासों का बाधित होना डेंगू के खिलाफ वैश्विक लड़ाई के लिए शुभ संकेत नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक डेंगू के मामलों के लिहाज से 2019 सबसे खराब साल था जब सभी क्षेत्र प्रभावित हुए और कुछ देश तो पहली बार प्रभावित हुए। डेंगू फैलाने वाला मच्छर एडीज एजिप्टी अधिकतर शहरी क्षेत्रों में पाया जाता है और विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि बढ़ते शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन की वजह से हो रही तापमान वृद्धि से संकेत मिलते हैं कि डेंगू का प्रसार बढ़ेगा। विशेषज्ञों के अनुसार कम आवाजाही से मच्छरों के लोगों के काटने की संभावनाएं भी कम होती हैं, लेकिन कोरोना वायरस महामारी ने अन्य कारकों को उजागर कर दिया है। इस सिलसिले में सिंगापुर नेशनल एनवॉयरमेंट एजेंसी ने कहा कि कोविड-19 के संक्रमण की रफ्तार कम करने का एक तरीका घर में ही रहना सुझाया जा रहा है, लेकिन इससे डेंगू फैलने का खतरा भी बढ़ सकता है क्योंकि एडीज एजिप्टी दिन में काटता है और लोगों के अधिक समय तक घरों में रहने से लोगों को मच्छरों के काटने की संभावना भी बढ़ जाती है जहां मच्छर अधिक पनपते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 twitter www.twitter.com/krantisamay1

अवैध असलहों के साथ एसटीएफने किया तीन अभियुक्तों गिरफ्तार

प्रयागराज उ.प्र. इलाहाबाद (एजेसी) **(क्रांति समय सुरत)** शहर के शंकरगढ़ के नारीबारी चौराहे पर एसटीएफ इकाई की प्रयागराज व शंकरगढ़ पुलिस उत्तर प्रदेश एसटीएफ के इकाई प्रयागराज व शंकरगढ़ पुलिस ने असलहा गैंग के तीन आरोपियों को भारी मात्रा मे पिस्टल व कारतूस के साथ तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार। विश्वसनीय सूत्रों से ज्ञात हुआ कि अवैध असलहों की तस्करी करने वाले गैंग के कुछ सदस्य भारी संख्या में अवैध असलहों के साथ रीवा मध्य प्रदेश की ओर से प्रयागराज जाएंगे।

गौरतलब हो कि उत्तर प्रदेश एसटीएफ इकाई की प्रयागराज व शंकरगढ़ पुलिस को कई दिनों से सूचना मिल रही थी कि गैर जनपद से असलहा तस्कर लाकर के उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में बिक्री कर रहे हैं । इस संदर्भ में पुलिस उपमहानिरीक्षक एसटीएफ उत्तर प्रदेश एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा एसटीएफ की विभिन्न इकाइयों को असलहा तस्करों के संदर्भ में अभी सूचना संकलन एवं ठोस कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था । एसटीएफ इकाई प्रयागराज की टीम के द्वारा अधिसूचना संकलन की कार्रवाई की गई । इसी क्रम में निरीक्षक केशव चंद्र राय व निरीक्षक अतुल कुमार सिंह के नेतृत्व में उप निरीक्षक रणेन्दर कुमार सिंह आरक्षी अमित शर्मा आरक्षी संतोष कुमार की एक टीम थाना शंकरगढ़ क्षेत्र में भ्रमण सील थी। विश्वसनीय सूत्रों से ज्ञात हुआ कि अवैध असलहों की तस्करी करने वाले गैंग के कुछ सदस्य भारी संख्या में अवैध असलहों के साथ रीवा मध्य प्रदेश की ओर से प्रयागराज जाएंगे।

इस सूचना पर रीवा प्रयागराज हाईवे स्थित थाना शंकरगढ़ की पुलिस चौकी नारीबारी चौराहे पर पहुंच कर आने जाने वाले वाहनों को रोककर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया । जिस पर मुखबिर ने गाड़ी का इशारा करते हुए बताया कि इसी गाड़ी में असलहा है।

जिस पर वहां मौजूद पुलिस के अधिकारी व शंकरगढ़ थानाध्यक्ष वेद प्रकाश पांडेय व चौकी इंचार्ज जगनरायन ने वाहन की चेकिंग के दौरान तीन युवकों की धरपकड़ करी । गाड़ी की तलाशी ली गई तो उसमें भारी मात्रा में अवैध असलहा प्राप्त हुआ व स्विफ्ट डिजायर कार के साथ तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया थाने पर लाकर कड़ाई से पूछताछ करने पर मालूम पड़ा कि यह तीनों व्यक्तियों का नाम क्रमश भीम शंकर पाठक पुत्र द्वारिका प्रसाद पाठक निवासी कोना भटौती थाना मेंजा, शिवम पांडे पुत्र कृपा शंकर पांडे निवासी ग्राम कठोली मेजा रोड व अभिमन्यु तिवारी पुत्र लल्लू प्रसाद तिवारी निवासी बहरैचा

थाना खीरी बताया गया जिनके पास से 10 अदत पिस्टल 32 बोर व 20 अदत मैगजीन 32 बोर बरामद किया गया व उनके पास से 4 अदत मोबाइल भी बरामद हुआ।

नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म मुख्य आरोपी सहित तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

प्रयागराज उ.प्र इलाहाबाद (एजेसी), शहर के बहरिया थाना क्षेत्र के गांव में नाबालिग किशोरी के साथ दो साल से दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने किशोरी के पिता की तहरीर पर मुख्य आरोपी सहित तीन लोगों के खिलाफ दुष्कर्म और धमकी देने का मामला दर्ज किया है।

परिवारवालों से मिली जानक.ारी के अनुसार हंडिया थाना क्षेत्र के रहीमपुर का निवासी अभिमन्यु पुत्र कल्लू का बहरिया के एक गांव में अपने रिश्तेदार के यहां दो साल से आना जाना है।

किशोरी के पिता आरोप है कि युवक गांव की एक नाबालिग किशोरी को अपने प्रेम जाल में फसा कर कर दो वर्षों से दुष्कर्म कर रहा था। बताया जाता है कि वह किशोरी को भगा ले जाने के फिराक में था। तभी ग्रामीणों ने उसको पकड़ लिया। जिसको लेकर अभिमन्यु और उसके रिश्तेदारों ने किशोरी के परिजनों को भद्दी भद्दी गाली देते हुए जान से मारने की धमकी दी।

मामले में युवक समेत तीन लोगों के खिलाफ दुष्कर्म और धमकी देने का मामला दर्ज किया है। किशोरी के नाबालिक होने से पास्को एक्ट की भी धारा लगाई गई है।

मीडिया के पेशे को कर रहे काले कारनामों से बदनाम, गली–गली घूम यूट्यूब चैनल वाले पत्रकार

कैमरा चलाना आता नहीं कलम क्या चलायेगें,हस्ताक्षर करना नहीं आता अखवार क्या संभालेगें

अलीगढ़(एजेसी)। यूं तो दोस्तों और हमउम्र के जानने वालों के जरिए जब यह सवाल पूछा जाता है कि 'क्या करते हो' तो मजदूरी करते हैं जैसे तमाम हल्के जवाबों से उनके सवालों को टाल देता हूं। लेकिन यही सवाल कोई बड़ा (उम्र में), रिश्तेदार, घर में आए मेहमान करते हैं। तो जबान लड़खड़ाने लगती है, यह बताने में कि मैं पत्रकार हूं या मीडिया में काम करता हूं। ऐसा शुरू में पहले नहीं था। बहुत जोश के साथ पत्रकारिता की पढ़ाई की और खुद को एक मआशरे के खादिम के तौर देखता था और फख्र करता था। तब कोई यह सवाल करता था कि क्या करते हो तो मैं उसी फख्र से कहता कि पत्रकार हूं लेकिन कुछ दिनों में ही मेरा यह गुमान जमीन पर आ गिरा। मैं लोगों से पूंछना चाहता हूं,जो लोग अपने हस्ताक्षर तक नहीं करना जानते हैं वह मीडिया में कैसे आ सकते हैं,क्योंकि खबर तो बिना पढ़ा–लिखा व्यक्ति लिख नहीं सकता है। कलम क्या चलाना तो दूर हस्ताक्षर नहीं आते हैं। ऐसे लोग मीडिया को कठपुतली समझ रहे हैं,और अपने काले कारनामों को छिपाने के लिये पत्रकारिता में घुस आते हैं। कुछ संस्थानों द्वारा पत्रकारिता को दलालों के हाथों बेच दिया है।

अपने स्वार्थपूर्ति हेतु आईकार्ड जारी कर कम पैसे के लालच में अनपढ़ अंगूठा छापों को पत्रकार बना देते हैं। षासन–प्रषासन द्वारा पत्रकारों के लिये एक अभियान चलाना चाहिये जिसमें पत्रकारिता की योग्यता हो उसका चयन किया जाए,बाकी सभी के खिलाफ कठोर कार्यवाही करनी चाहिये जिससे कि बदनाम हो रहे पत्रकारिता के अस्तित्व को बचाया जा सके और मीडिया की स्वतंत्रता बरकार रह सके।

इसलिए नहीं कि मुझे काम नहीं मिला, हालांकि यह भी एक सच्चाई है कि काम वाकई नहीं मिला। लेकिन इससे मेरा हौसला पस्त नहीं हुआ था बल्कि जिस तरह मीडिया ने अपनी किरकिरी कराई है, उसका असर हम नए आने वाले पत्रकारों पर पड़ा। हालांकि ऐसा नहीं कि मीडिया का कभी सुनहरा काल रहा हो लेकिन हाल के दिनों में मीडिया के कारनामे और उनके इन कारमानों की लोगों तक पहुंच से इस पेशे को ऐसा बदनाम किया जो शायद कभी हुआ हो।

कई बार मैंने जब 'क्या करते हो' के जवाब में कहा कि मीडिया में काम करता हूं तो लोगों ने ऐसा मुंह बनाया जैसे मैं कोई बहुत गल.ाजत भरा काम करता हूं। कइयों ने मेरे जवाब पर बड़ी उत्सुक्ता से सीधे यह कहा कि कैसे मीडिया में तुम झूठ दिखाते हो। कइयों ने जिज्ञासावश यह पूछा कि जो तुम खबरें देते हो सारी झूठी होती हैं या कुछ सही भी होती हैं। कई लोगों ने तो सीधे तजकिरा कर

दिया कि अरे मीडिया को सरकार ने खरीद रखा है। कइयों ने कहा कि अरे हां फलाना अपना खोल के बैठ गया है यू–ट्यूब चौनल, अब तो गली–गली पत्रकार मारे मारे घूम रहे हैं।

उनमें से कई लोग ऐसे थे जो कहते हैं तुम कौन–से वाले पत्रकार हो, टीवी में नजर नहीं आते। पत्रकार होने की तमाम शर्तों को बताने के बाद भी उनकी नजर में टीवी वाले एंकर तक तो ठीक बाकि तुम जैसे लोग कोई ऐरा गैरा ही होंगे। मेरा ताल्लुक हिन्दू समुदाय से है तो खासकर हिन्दू समाज में मीडिया को लेकर बहुत गुस्सा है। हो भी क्यों न, जिस तरह मीडिया ने उनको एक खलनायक के तौर पर परोसा है उसका असर कहीं न कहीं मआसरे में नजर आ रहा है।

लगभग आधी उम्र तक शिक्षा हासिल करते हैं लेकिन हासिल क्या होता है। ऐसे बहुत से सवाल हैं जिनके जवाब दिए जाने बहुत जरूरी हैं। गाहे बगाहे कुछ दानिशवर इन पर बात करते हैं लेकिन बड़े पैमाने पर कोई इन सवालों को नहीं उठाता। जब भी इन मुद्दों पर पेशे से जुड़े बड़े दानिशवर बात करते हैं तो एक बेहद आम जो वो कहते हैं कि पत्रकारिता को आप एक तरह से 'सेवा' के तौर पर लें, इसको जी.विका का आधार नहीं बनाएं। इस बात गौर किया जाना चाहिए कि देश के तमाम बड़े विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों के अलावा निजी संस्थानों में पत्रकारिता की पढ़ाई करवाई जाती है। जिनमें बहुत बड़ी तादाद में युवा तालीम हासिल करने के लिए दाखिला लेते हैं और तालीम हासिल करते भी हैं। जाहिर सी बात है उनके अपने भविष्य को लेकर कुछ उम्मीदें भी होंगी। अब सवाल यह भी है कि जब इतने बड़े–बड़े संस्थानों में इस तरह की पाठ्यक्रम की पढ़ाई होती है तो आगे उनके लिए रोजगार की दिशा में किस तरह के कदम उठाए जा रहे हैं और अगर इस बारे में बिल्कुल नहीं सोचा जाता तो जाहिर है कि आप उन्हें अधर में छोड़ रहे हैं।

अगर सिर्फ सरकारी संस्थानों द्वारा निकलने वाले युवाओं की ही बात की जाए तो क्या जितने लोग वहां से निकलते हैं उनमें से 50 प्रतिशत की भी कहीं रोजगार की व्यवस्था होती है? बिल्कुल नहीं होती और अगर नहीं होती तो इस तरह के कोर्सों को बंद नहीं कर देना चाहिए? वहीं बात की जाए मीडिया संस्थानों की तो उन्होंने खुद की अपनी दुकानें खोल रखी हैं जिस के जरिए लाखों रुपयों की लूट कर रहे हैं। बदले में उनको मिलता क्या है? सिर्फ ख्वाब।

इन दिक्कतों और दुश्वारियों के बाद भी कोई संघर्ष करके अपने लिए जगह तलाश कर भी ले तो मीडिया संस्थानों के अंदर का माहौल उसे पूरी तरह तोड़ देता है। ले–दे के उसके पास बचा था समाज में सम्मान वो भी सरकारी पिट्ठुओं और कोई भी मूंह उठाकर मीडिया के नाम पर कुछ भी करने से, खत्म हो गया। मतलब अब तो बाढ़ सी आ गई है। हर कोई प्रेस का स्टिकर चस्पा कर घूम रहा है। अगर पत्रकार होने का कोई खास प्रशिक्षण या पढ़ाई की जरूरत नहीं है तो फिर तमाम विश्वविद्यालयों में कराए जाने वाले कोर्सों को बंद कर देना चाहिए। निजी संस्थानों पर बैन लगा देना चाहिए जो इस तरह की पढ़ाई के लिए लाखों रुपयों की वसूली करते हैं।

अगर वाकई इस तरह की प्रशिक्षण की जरूरत है तो कोई भी मूंह उठाकर मीडिया के नाम पर कुछ भी करने के लिए न आ जाए, इस दिशा में कदम उठाना चाहिए। हालांकि यह बहुत मुश्किल भी है क्योंकि कई ऐसे दूसरे लोग हैं जो प्रशिक्षण प्राप्त लोगों से काफी बेहतर काम कर रहे हैं लेकिन इसमें भी कोई शक नहीं है कि बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जो न सिर्फ इस पेशे को बदनाम कर रहे हैं बल्कि फेक न्यूज के जरिए समाज में एक खतरनाक तरह की सूचना फैला रहे हैं। इन पर रोक लगाना वाकई बहुत कठिन कार्य है क्योंकि एक तरह से यह अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़ा हुआ है। लेकिन अभिव्यक्ति की आजादी निजी तौर पर तो दी जा सकती है लेकिन उन्हें प्रेस या मीडिया के नाम के इस्तेमाल की छूट नहीं दी जा सकती।

कोई स्वतंत्र होकर काम करना चाहे तो जैसे अखबार या न्यूज वेबसाइट बनाना चाहे तो पत्रकारिता की डिग्री को अनिवार्य कर देना चाहिए बाकि सब पर रोक लगनी चाहिए। नहीं तो आने वाले दिनों में वो दिन दूर नहीं जब पत्रकार बोलने पर लोग आपसे चार कदम दूर हट जाएंगे।

बसपा पार्शद को गिरतार करने से क्यों हिचकिचा रहा पुलिस प्रषासन:हिजांम

अलीगढ(एजेसी)क्रांति समय (सुरत) । उज्जैन में स्थित मह.ाकाल मंदिर के संबंध में अपम.ानजनक बयान देने वाले बसपा पार्षद सद्दाम हुसैन की अभी तक गिरतारी ना होने पर हिंदू जागरण मंच की एक गूगल मीट आहूत की गई। जिसमें रोष प्रकट किया गया कि हिंदुओं में प्रसिद्ध तीर्थ स्थल उज्जैन के महाकाल मंदिर को आतंकवादियों का अड्डा बताने वाले बसपा पार्षद सद्दाम हुसैन पर मुकदमा दर्ज होने के बावजूद अभी तक प्रशासन को चुनौती दे रहा है एवं प्रशासन उसको गिरतार करने में हिचकिचा रहा है।

बसपा पार्षद सद्दाम हुसैन पहले भी विरोधी आंदोलन में चर्चित रहा तथा प्रशासन उसको संरक्षण दे रहा है एवं सद्दाम हुसैन को विकास दुबे की तरह माफिया बनाना चाहता है।

बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मनोज कुमार ने की तथा कहा कि यदि सद्दाम हुसैन की गिरतारी शीघ्र ना की गई तो हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ता सड़क पर आंदोलन करने को मजबूर होंगे ।

महामंत्री आदित्य मुखरिया ने कहा कि महाकाल मंदिर के प्रति

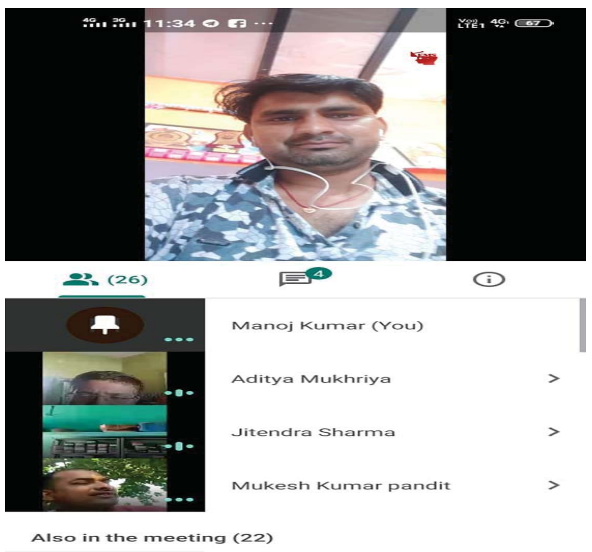

हिन्दू समाज में विशेष आस्था है, महाकाल मंदिर के प्रति सद्दाम हुसैन अशोभनीय टिप्पणी किसी कीमत पर बर्दाश नही किया जायेगा।

बैठक मे कुछ थाना इकाइयों की घोषणा की गई । लोधा थाना संयोजक आकाश, सह संयोजक कौशल उपाध्यक्ष, अभिषेक शर्मा, अनिल शर्मा,योगेश शर्मा, बबलू सिंह मंत्री योगेश सिंह, चंद्रक.ांत, दिनेश, चंद्रकांत मडराक थाना संयोजक राहुल पाराशर सह संयोजक अंशुल उपाध्याय, उपाध्यक्ष गौरव शर्मा, अंशू ठाकुर, भूपेश कुमार, विकास ठाकुर मंत्री शुभम, जीतू विनोद, चेतन, इगलास नगर अध्यक्ष रवि पंडित महामंत्री गौरव देशवाल उपाध्यक्ष प्रियांशु अग्रवाल, अजय, अमन, अंकुर चौधरी मंत्री आशीष शर्मा, आलोक कुमार, माधव उपाध्याय, विशाल चौधरी ,इगलास थाना संयोजक प्रशान्त सह संयोजक मुनेंद्र कुमार उपाध्यक्ष जोटी, आकाश चौधरी, मुकुल, हेमंत, मंत्री संतोष साहनी, नितिन तिवारी,सोना,राहुल को जिम्मेदारी सौपी गई । जलाध्यक्ष मनोज कुमार ने सभी नवनियुक्त कार्यकर्ता को बधाई दी और सभी कार्यकर्ताओं को ईमानदारी से कार्य करने की अपील की है। बैठक मे उपस्थित जिला उपाध्यक्ष बॉबी चौध.ारी, नीरज वर्मा, प्रशान्त उपाध्याय, आकाश शर्मा, डॉ जितेंद्र शर्मा, तरुण उपाध्याय, राजेश कुमार, महेश गौतम,अर्जुन कुमार, जितेंद्र चौधरी, दिनेश जी,आदि दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।।

कानपुर कांड और विकास दुबे एनकाउंटर की जांच के लिए आयोग गठित

रिटायर्ड जज शशि कान्त अग्रवाल का एकल आयोग सरकार को सुझाव भी देगा

लखनऊ(एजेसी)क्रांति समय (सुरत), विपक्ष के लगातार हमले के बाद कानपुर के चौबेपुर में आठ पुलिसकर्मियों की शहादत और 10 जुलाई की सुबह मुख्य आरोपी विकास दुबे की एनकाउंटर में मौत के मामले को लेकर योगी सरकार ने रिटायर्ड जज शशि कान्त अग्रवाल की अगुवाई में एकल जांच आयोग का गठन किया है।

इस आयोग का मुख्यालय कानपुर में होगा। राज्य सरकार ने प्रवक्ता ने यह जानकारी देते हुए कहा कि 2 जुलाई की रात विकरू गांव में हुई घटना और उसके बाद 10 जुलाई तक इस प्रकरण से संबंधित विभिन्न स्थानों पर पुलिस और अपराधियों के मध्य हुई मुठभेड़ एक लोक महत्व का विषय है।

इसलिए इसकी जांच आवश्यक है। लिहाजा एकल सदस्यीय जांच आयोग गठित करने का निर्णय लिया गया है। राज्य सरकार ने बताया कि जांच आयोग 2 जुलाई को अपराधी विकास दुबे व उसके सहयोगियों द्वारा की गई घटना जिसमे आठ पुलिसकर्मियों की हत्या हुई थी

व अन्य कर्मी घ्यायल हुए थे, उनकी गहनतापूर्वक जांच करेगा। साथ ही विकास दुबे व अलग–अलग स्थानों पर एनकाउंटर में मारे गए उसके साथियों की भी जांच करेगा।

इतना ही नहीं आयोग विकास दुबे और उसके साथियों की पुलिस, अन्य विभागों और सफेदपोशों से संबंधों की जांच भी करेगा।

साथ ही भविष्य में ऐसी घटना न हो इसे लेकर सुझाव भी सरकार को देगा।

इसके पूर्व उत्तर प्रदेश के 4 मंत्री निकल चुके हैं कोरोना पाजिटिव

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की समधन समेत 6 लोग कोरोना संक्रमित

लखनऊ(एजेसी)क्रांति समय (सुरत) उत्तर प्रदेश में कोरोना सब पर कहर बरपा रहा है, फिर चाहे वह गरीब हो या वीआईपी। इस बीच राज्य के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के बड़े भाई की सिराथू में रहने वाली दो बेटियां, समधन, एक दामाद, एक वर्षीय बच्ची और ड्राइवर की रिपोर्ट भी कोरोना संक्रमित आई है।

ससे पहले युवा कल्याण मंत्री उपेन्द्र तिवारी, होमगार्ड मिनिस्टर चेतन चौहान, आयुष मंत्री धर्म सिंह सैनी और मंत्री मोती सिंह व उनका परिवार संक्रमण की चपेट में आ चुका है।

उधर कौशांबी जिले के चायल से बीजेपी विधायक संजय गुप्ता की भाभी भी कोरोना संक्रमित पाई गई हैं। रिपोर्ट आने के बाद डॉक्टरों की टीम ने सभी को इलाज के लिए मंझनपुर पीएचसी के एल–1 अस्पताल में भर्ती करा दिया है। संक्रमितों के संपर्क में आने वाले लोगों की हिस्ट्री खंगाली जा रही है।

सीएमओ डॉ पीएन चतुर्वेदी ने बताया कि सैंपलों की जांच में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की भतीजी व उनके पति, सास समेत कस्बे के छह लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। उधर विपक्ष के कई नेता भी संक्रमण की चपेट आ चुके हैं।

समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद धर्मेन्द्र यादव, विधानमंडल दल के नेता राम गोविंद चौधरी के बाद अब एमएलसी सुनील सिंह साजन कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है।

उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के कुल 1403 केस मिले हैं।

राज्य में संक्रमितों की कुल संख्या 35092 पहुंच गई है। अब तक कुल 913 लोगों की मौत हो चुकी है। एक्टिव केसों की संख्या 11490 है। डिस्चार्ज मरीजों की कुल संख्या 22689 है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महिला कांस्टेबल से उलझने पर मंत्री के पुत्र और उसके दोस्तों के खिलाफ मामला दर्ज

सूरत, **क्रांति समय (सुरत)** स्वास्थ्य राज्यमंत्री कुमार कानाणी के पुत्र प्रकाश कानाणी और उसके दोस्तों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

नियमों का उल्लंघन करने पर प्रकाश कानाणी के दोस्तों को रोकने वाली महिला कांस्टेबल के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। दरअसल गुरुवार की रात हीरा बाजार से गुजर रही एक कार को कर्फ्यू का उल्लंघन करने वहां मौजूद महिला कांस्टेबल सुनीता यादव ने रोका था।

कार में सवार शख्स ने स्वास्थ्य राज्यमंत्री कुमार कानाणी के पुत्र प्रकाश कानाणी को इसकी जानकारी दी। अपने दोस्तों को छुडाने प्रकाश कानाणी घटनास्थल पर पहुंच गया और महिला कांस्टेबल

के साथ इस प्रकार व्यवहार करने लगा जैसे वह मंत्री होद्य प्रकाश कानाणी ने महिला कांस्टेबल से कहा कि उसे 365 दिन यहां ड्यूटी लगवा देगा।

इस बात को लेकर सुनीता यादव और प्रकाश कानाणी के बीच तीखी नोंकझोंक हुई।

घटना की ऑडियो क्लीप वायरल होने के बाद सूरत पुलिस आयुक्त ने मामले की जांच के आदेश दे दिए।

साथ ही महिला कांस्टेबल सुनीता यादव के खिलाफ विभागीय जांच का आदेश दिया है।

वराछा पुलिस थाने के सर्वेलंस विभाग के पीएसआई की जांच के बाद प्रकाश कानाणी समेत उसके दोस्तों के खिलाफ कर्फ्यू के उल्लंघन का मामला दर्ज कर सभी को हिरासत में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है। बता दें कि रात 10 बजे से सुबह 5 बजे तक कर्फ्यू रहता है और प्रकाश कानाणी के 5 दोस्त रात 10.30 बजे कार में घूमने निकले थे और किसी ने मास्क तक नहीं लगाया था।

मंत्री कानाणी ने पुत्र के साथ दुर्व्यवहार करने का महिला कांस्टेबल पर लगाया आरोप

सूरत, **क्रांति समय (सुरत)** स्वास्थ्य राज्यमंत्री कुमार कानाणी ने अपने पुत्र प्रकाश कानाणी के साथ दुर्व्यवहार और गालीगलौज करने का महिला कांस्टेबल सुनीता यादव पर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की तटस्थ जांच की जानी चाहिए। बता दें कि मंत्री कानाणी के पुत्र प्रकाश कानाणी और उसके दोस्तों के खिलाफ सुनीता यादव ने दुर्व्यवहार का आरोप लगाया था।

सूरत पुलिस आयुक्त ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

कर्फ्यू का उल्लंघन करने पर प्रकाश कानाणी समेत उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वहीं सुनीता यादव के खिलाफ विभागीय जांच की जा रही है। इस बीच मंत्री कुमार कानाणी ने महिला कांस्टेबल सुनीता यादव को ही कटघरे में खड़ा कर दिया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पुत्र प्रकाश कानाणी के साथ महिला कांस्टेबल ने दुर्व्यवहार

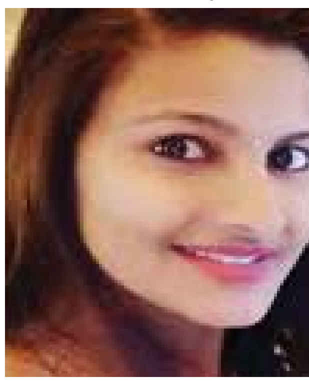

किया, जिसकी निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए। कानाणी ने कहा कि प्रकाश समेत उसके दोस्तों के साथ महिला कांस्टेबल ने गालीगलौज की।

सोशल मीडिया पर वायरल ऑडियो और वीडियो को काट छांट कर पेश किया गया है।

उसमें महिला कांस्टेबल के दुर्व्यवहार को दिखाया नहीं गया।

कानाणी ने कहा कि मैंने भी महिला कांस्टेबल के साथ फोन पर बातचीत की थी

और यदि कानून का उल्लंघन किया गया तो प्रकाश समेत उसके दोस्तों के खिलाफ कानूनी कारवाई करने को कहा था। जिसके महिला कांस्टेबल ने आभार भी जताया था।

कानाणी ने घटना को लेकर राजनीति की भी आशंका जताई।

उन्होंने कहा कि उनकी लोकप्रियता को खत्म करने के लिए यह एक साजिश भी हो सकती है।

सौराष्ट्र में कुमार कानाणी को खत्म कर देने की राजनीति हो सकती है।

कानाणी ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि यदि उनके पुत्र ने कानून का उल्लंघन किया है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

सूरत की महिला कांस्टेबल के समर्थन में आए पूर्व आईपीएस डीजी बंजारा

अहमदाबाद, **क्रांति समय (सुरत)**सूरत में स्वास्थ्य राज्य मंत्री कुमार कानाणी के पुत्र प्रकाश कानाणी को कानून का सबक पढ़ाने वाली महिला कांस्टेबल सुनीता यादव के समर्थन में पूर्व आईपीएस डीजी बंजारा उतर आए हैं।

डीजी बंजारा ने ट्वीट कर सुनीता की हिम्मत और प्रतिबद्धता की सराहना की है।

दूसरी ओर खबर यह है कि सुनीता यादव ने पुलिस विभाग से इस्तीफा दे दिया है।

इसके बाद ट्वीटर पर आई सपोर्ट सुनीता यादव का ट्रेंड चल रहा है और बड़ी संख्या में लोग उसका समर्थन कर रहे हैं।

सुनीता यादव के समर्थन में करीब 40 हजार से ज्यादा लोग ट्वीट कर चुके हैं।

ट्वीटर पर यूजर्स सुनीता यादव को लेडी सिंघम बता रहे हैं और इस पर लोग अपनी अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे हैं।

कई यूजर्स पीएम मोदी का एक संक्षिप्त वीडियो शेयर कर रहे हैं। जिसमें पीएम मोदी सोशल डिस्टसिंग के नियमों का कड़ाई से पालन करने और मास्क पहनने की अपील कर रहे हैं।

सूरत के एक दुकानदार ने बनाएं हीरे हीरे जड़ित मास्क, कीमत 1.5 लाख से 4 लाख तक

सूरत,**क्रांति समय (सूरत)** दुनिया में फैले कोरोना संक्रमण से बचने के लिए लोग हर जगह मास्क लगाने के लिए मजबूर हो गए हैं।

यहां तक कि दूल्हा–दुल्हन भी मास्क लगा रहे हैं।वहीं कस्टमर की डिमांड को देखकर बाजार में डिजाइनर मास्क आ गए हैं। गुजरात के सूरत में एक ज्वेलरी शॉप में हीरे जड़ित मास्क बनाए गए हैं, जिनकी कीमत 1.5 लाख से 4 लाख के बीच है।दुकान के मालिक ने बताया लॉकडाउन हटने के बाद एक ग्राहक हमारी दुकान में आया और दूल्हा और दुल्हन के लिए यूनिक मास्क की डिमांड की।इसके बाद अपने डिजाइनरों को मास्क बनाने के लिए कहा, जिन्हें बाद में ग्राहक ने खरीदा था। इसके बाद,इस तरह के मास्क

बनाए क्योंकि आने वाले दिनों में त्यौहारों के चलते इस तरह के मास्क की लोगों के बीच डिमांड बढ़ेगी। इन मास्क को बनाने के लिए सोने के साथ शुद्ध हीरे और अमेरिकी डायमंड का उपयोग किया गया है। उन्होंने बताया, 'अमेरिकन डायमंड के साथ मास्क में पीले सोने का इस्तेमाल किया गया है और इसकी कीमत 1.5 लाख है।

एक और मास्क जो सफेद सोने और असली हीरे के साथ बनाया हैं, इसकी कीमत 4 लाख रुपए है।

पिछले महीने पुणे जिले के पिंपरी–चिंचवाड़ के निवासी,शंकर कुरडे ने कोविड़–19 महामारी के बीच गोल्ड 2.89 लाख के सोने से बना एक मास्क खरीदा था।

गुजरात में 15 जुलाई तक भारी बारिश का अनुमान

अहमदाबाद,**(क्रांति समय सुरत)** गुजरात में छुटपुट बारिश के बीच मौसम विभाग ने आज से अगले चार दिन राज्य में खासकर सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में भारी से अतिभारी बारिश का अनुमान व्यक्त किया है।

मौसम विभाग के मुताबिक 13 और 14 जुलाई को दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र में मूशलाधार बारिश होगी।

जिसमें दक्षिण गुजरात के सूरत, वलसाड, नवसारी, दमण दादरा नगर हवेली और सौराष्ट्र के गिर सोमनाथ, जूनागढ, जामनगर इत्यादि शामिल है।

फिलहाल राज्य में दक्षिण–पश्चिम की हवा के चलते बारिश का जोर घटा है,

लेकिन कल से बारिश का जोर बढ़ेगा और दक्षिण गुजरात व सौराष्ट्र में भारी बारिश होगी।

हांलाकि मध्य गुजरात और उत्तरी गुजरात के किसानों को फिलहाल मूशलाधार बारिश के लिए प्रतीक्षा करनी होगी।

अहमदाबाद, वडोदरा, आणंद, खेडा, मेहसाणा और पाटन समेत अन्य जिलों में सामान्य बारिश होगी।

मौसम विभाग के मुताबिक 13 जुलाई को खेडा, पंचमहल, नवसारी, वलसाड, दमण दादरा नगर हवेली, 14 जुलाई को आणंद, डांग, नवसारी, वलसाड, दमण दादरा नगर हवेली और 15 जुलाई को नवसारी, वलसाड, दमण, दादरा नगर हवेली, जूनागढ़ और गिर सोमनाथ में भारी बारिश होने की संभावना है।

इस बीच आज सुबह से अहमदाबाद के कई इलाकों में छुटपुट बारिश का दौर जारी रहा। अहमदाबाद के सेटेलाइट, बोडकदेव, एसजी रोड, वस्त्रापुर, जीवराज पार्क, श्यामल, प्रहलादनगर, रामदेवनगर, आनंदनगर, बोपल, घुमा, शीलज, सोला घाटलोडिया, चांदलोडिया, गोता, मेमनगर, आंबावाडी, सीजी रोड, आश्रम रोड, वाडज, दिल्ली दरवाजा, एयरपोर्ट, सरदारनगर, नरोडा, निकोल, बापूनगर, सरखेज, सुभाषब्रिज, साबरमती और चांदखेडा में बारिश हुई है।

उपचुनाव में कांग्रेस सभी 8 सीटें जीतेगी : हार्दिक पटेल

अहमदाबाद, **(क्रांति समय सुरत)** गुजरात प्रदेश कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल ने दावा किया है कि आगामी समय में होनेवाले विधानसभा के उपचुनाव में कांग्रेस सभी 8 सीटों पर जीत दर्ज करेगी।

मीडिया से बातचीत में हार्दिक पटेल ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य, शिक्षा व्यवस्था चौपट हो गई है और बेरोजगारी चरम पर है। मुझ पर कांग्रेस ने भरोसा कर जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे पूरी निष्ठा के साथ निभाऊंगा।

हार्दिक पटेल ने कहा कि आगामी दिनों में गुजरात में होनेवाले विधानसभा के उपचुनाव के लिए कांग्रेस निरीक्षक काम पर लग गए हैं।

सभी सीटों पर 200–200 कार्यकर्ता लगे हुए हैं और इन 8 सीटों पर कांग्रेस की जीत पक्की है।

रुपयों की लालच में जो लोग कांग्रेस छोड़कर गए हैं, उन्हें जनता सबक सिखाएगी।

हार्दिक पटेल दावा किया कि उपचुनाव के नतीजे चौंकाने वाले होंगे और कांग्रेस सभी 8 सीटों पर 15000 से भी अधिक वोटों से जीत दर्ज करेगी।

हार्दिक ने कहा कि भाजपा सरकार से राज्य की जनता त्राहिमाम कर रही है।

अब गुजरात में भाजपा की सरकार नही बनेगी, फिलहाल उपचुनाव सेमी फाइनल है और 2022 के विधानसभा चुनाव फाइनल होगेद्य उन्होंने दावा किया कि 2022 के चुनाव जीतकर कांग्रेस गुजरात में सरकार बनाएगी। हार्दिक ने कहा कि मैंने पहले भी कहा था कि जहां जरूरत होगी वहां हम आत्ममंथन करेंगे।

कांग्रेस को आत्ममंथन कर कर गलतियां सुधारने की जरूरत है।

कांग्रेस ने मुझ पर भरोसा किया है और मैं पूरी निष्ठा के साथ कांग्रेस में काम करूंगा। बता दें कि शनिवार को कांग्रेस ने हार्दिक पटेल को गुजरात प्रदेश समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया है।

पाटीदार आरक्षण आंदोलन से निकलने हार्दिक पटेल ने 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले राहुल गांधी की मौजूदगी में कांग्रेस जॉइन की थी।

हार्दिक पटेल ने 1/3 से सरकार बनाने का ट्वीट किया,बाद में किया डिलीट

अहमदाबाद,(क्रांति समय सुरत) गुजरात प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल ने उत्साह में ट्वीट किया और जिसमें कहा कि एक तिहाई से वह सरकार बनाएंगे। लेकिन बाद में गलती का अहसास होने पर हार्दिक पटेल ने ट्वीट डिलीट कर दिया। दरअसल शनिवार को कांग्रेस ने हार्दिक पटेल को पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया हैद्य इस नियुक्ति के लिए हार्दिक पटेल ने एक ट्वीट किया।

जिसमें कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी और राहुल गांधी के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि लोकतंत्र बचाने के लिए कांग्रेस हमेशा लड़ती रहेगी। साथ ही उन्होंने लिखा कि 'आगामी 2022 के गुजरात विधानसभा चुनाव में एक तिहाई बहुमत के साथ राज्य में कांग्रेस सरकार बनाएगी।'

182 सीटों वाली गुजरात विधानसभा में एक तिहाई के हिसाब से 61 सीटें आती हैं,

जबकि सरकार बनाने के लिए 92 सीटें चाहिएं।

हांलाकि हार्दिक पटेल को जब अपनी गलती का अहसास हुआ तो उन्होंने तुरंत ट्वीट डिलीट कर दिया।

गुजरात में कोरोना का ग्राफ 42000 के करीब, 879 नए केस, 513 ठीक हुए

अहमदाबाद,(क्रांति समय सुरत) गुजरात में कोरोना संकट बढ़ता जा रहा है और इसका ग्राफ 42000 के करीब पहुंच गया है। पिछले 24 घंटों में 879 नए केसों के साथ कोरोना का आंकड़ा 41906 पर पहुंच गया हैद्य एक समय था जब औसत 200–250 जितने नए मामले सामने आते थे, परंतु पिछले 8 दिनों से औसत 700 के आसपास कोरोना के मामले दर्ज हो रहे हैं। आज 879 कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए हैं और 513 लोग ठीक होकर अपने घरों को लौटे हैंद्य स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों में सूरत शहर में 205, अहमदाबाद शहर में 150, वडोदरा शहर में 68, सूरत जिले में 46, भावनगर शहर में 31, जूनागढ़ जिले में 29, मेहसाणा में 23, राजकोट जिले में 23, राजकोट शहर में 23, सुरेन्द्रनगर में 21, अहमदाबाद जिले में 20, मोरबी में 19, गांधीनगर जिले में 18, अमरेली में 16, खेडा में 16, वलसाड में 16, भावनगर में 15, भरुच में 14, बनासकांठा में 13, जूनागढ़ शहर में 13, आणंद में 11, गांधीनगर शहर में 11, नवसारी में 11, पंचमहल में 10, दाहोद में 9, कच्छ में 7, वडोदरा जिले में 7, गिर सोमनाथ में 6, जामनगर शहर में 6, बोटाद में 5, बोटाद में 4, छोटाउदेपुर में 3, साबरकांठा में 3, अरवल्ली में 2, तापी में 2 और महीसागर में 1 समेत राज्य में कुल 879 नए केस दर्ज हुए हैं। जबकि 513 लोगों को डिस्चार्ज किया गया है। इस दौरान अहमदाबाद शहर में 4, सूरत शहर में 3, जूनागढ़ में 2, सूरत जिले में 2 और खेड़ा में एक समेत कुल 13 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक राज्य में अब तक कुल 464646 टेस्ट किए गए हैं। जिसमें 41906 कोरोना पॉजिटिव मामले सामने आएद्य 41906 में से 29189 लोग ठीक हो चुके हैं और अब तक 2047 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। शेष 10661 मामलों में 10594 की हालत स्थिर है और 67 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौर्या (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)